page 1 and 8 may 23_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/23/2026 1:03 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू-कश्मीर में उद्योगों को बढ़ावा देने पर संसद की स्थायी समिति का मंथन

5 धीमी ओवर गति पर ऋतुराज गायकवाड पर 24 लाख रूपये का जुर्माना

8 रियासी प्रशासन ने ईद-उल-अजहा तैयारियों की समीक्षा की

मौसम जम्मू न्यूनतम 26 अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-124 | जम्मू तवी, शनिवार 23 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

नशीली दवाओं का व्यापार जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है : उपराज्यपाल सिन्हा

जम्मू, 22 मई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स और आतंकवाद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि जांच से नशीले पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क और क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादी संगठनों के बीच सीधे संबंध का पता चला है। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एलजी ने कहा कि विभिन्न जांचों के दौरान एकत्र किए गए सबूतों से पता चला है कि आतंकवाद और कट्टरपंथ गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए नशीली दवाओं की तस्करी को बढ़ावा देने में पड़ोसी देश की संलिप्तता है।

उन्होंने कहा कि हालांकि कुछ तस्करों ने अवैध व्यापार के माध्यम से संपत्ति अर्जित की है और मकान बनाए हैं लेकिन धन का बड़ा हिस्सा अंततः युवाओं को कट्टरपंथी बनाने हथियार खरीदने और जम्मू-कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवाद फैलाने में शामिल संगठनों तक पहुंचता है। मनोज सिन्हा ने कहा कि प्रशासन का प्राथमिक उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशीली दवाओं के खतरे से बचाना है, ऐसा प्रतीत होता है कि नए जम्मू और कश्मीर और एक विकसित भारत के दृष्टिकोण को पटरी से उतारने के लिए जम्मू और कश्मीर के युवाओं को नष्ट करने की साजिश रची गई है।अगर जम्मू-कश्मीर के युवा बर्बाद हो जाएंगे तो वे आगे कैसे बढ़ेंगे उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश से नशीली दवाओं के दुरुपयोग और आतंकवाद को खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

उपराज्यपाल ने नशे के विरूद्ध जागरूकता फिल्म 'एक गलत कदम' का पोस्टर जारी किया

जम्मू, 22 मई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को लोक भवन में मादक द्रव्यों के सेवन पर आधारित जागरूकता लघु फिल्म ऊएक गलत कदमऊ का पोस्टर जारी किया। इस लघु फिल्म में नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान की युवा राजदूत माहिरा टंडन मुख्य भूमिका में हैं। उपराज्यपाल ने पूरी टीम को बधाई दी और शुभकामनाएं दीं। पोस्टर जारी करने के समारोह में फिल्म की लेखिका और निर्देशक सुश्री दिव्या टंडन, निर्माता सुमित टंडन और अन्य टीम सदस्य उपस्थित थे।

उर्वरक के संतुलित उपयोग के बारे में 7.17 लाख किसानों को किया गया जागरूक

खेत बचाओ अभियान

नई दिल्ली, 22 मई । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने अपने राष्ट्रव्यापी खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत 7.17 लाख किसानों को उर्वरक के संतुलित उपयोग के बारे में जागरुक किया है।

इससे कृषि क्षेत्र की मृदा स्वास्थ्य को बरकरार रखने में मदद मिलेगी।

कृषि मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि खेत बचाओ अभियान ने किसानों और हितधारकों को वैज्ञानिक पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न मंचों के माध्यम से देशभर में व्यापक पहुंच स्थापित की है।

इस अभियान में अब तक कुल 12,979 जागरूकता शिविर और सेमिनार आयोजित किए गए हैं। इसमें 7.17 लाख किसानों को प्रत्यक्ष रूप से शामिल किया गया है। क्षमता निर्माण के लिए 3,145 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 1,11,509 प्रतिभागियों ने भाग लिया। हरी खाद, जैव उर्वरक और जैविक स्रोतों पर 7,928 क्षेत्र प्रदर्शनों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। मंत्रालय ने बताया कि जमीनी स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पंचायत, सरपंच और जिला परिषद सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ 4,916 जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किए गए। इस अभियान में किसान संगठनों का भी उपयोग किया गया जिसके अंतर्गत किसान संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और किसान समूह (एफआईजी) के माध्यम से 8,383 किसान सदस्यों को जोड़ा गया। मंत्रालय ने बताया कि व्यापक प्रचार के लिए बैनर, पोस्टर और होर्डिंग्स सहित प्रचार सामग्री को देश भर में 53,616 स्थानों पर प्रदर्शित किया गया। 944 रेडियो वार्ता और 200 टीवी/डिजिटल कार्यक्रमों सहित 1,144 मीडिया प्रसारणों के माध्यम से संदेश को और अधिक प्रभावी बनाया गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल प्रचार ने अभियान की पहुंच को 2.712 करोड़ लोगों तक पहुंचाया है। खेत बचाओ अभियान पहल का उद्देश्य मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन को प्रोत्साहित करना और रासायनिक उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है जिससे मृदा की उर्वरता की रक्षा हो सके और दीर्घकालिक कृषि स्थिरता सुनिश्चित हो सके।

भारत और साइप्रस ने रक्षा, साइबर सुरक्षा सहित छह क्षेत्रों में समझौते किये, आठ घोषणाएं भी की

नयी दिल्ली 22 मई। भारत और साइप्रस ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करने के साथ-साथ रक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग, साइबर सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और समुद्री सहयोग समेत छह क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किये और संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में आठ घोषणाएं भी की। भारत की तीन दिन की यात्रा पर आये साइप्रस के राष्ट्रपति महामहिम निकोस क्रिस्टोडूलाइड्स के साथ शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की द्विवपक्षीय वार्ता के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये।विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के बीच जिन छह समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए उनमें आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह की स्थापना, वर्ष 2026-2031 के लिए रक्षा सहयोग रोडमैप, साइप्रस के अनुसंधान, नवाचार और डिजिटल नीति उप मंत्रालय तथा भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच नवाचार और प्रौद्योगिकी सहयोग संबंधी समझौता शामिल है।

खबर संक्षेप

जेकेएसपीडीसी ने बगलिहार जलविद्युत परियोजना चरण-III की डीपीआर तैयार करने के लिए निविदा जारी की

रामबन, 22 मई। जम्मू और कश्मीर राज्य विद्युत विकास निगम (जेकेएसपीडीसी) ने प्रस्तावित बगलिहार जलविद्युत परियोजना चरण-III की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी के लिए एक खुली निविदा जारी की है।

जेकेएसपीडीसी द्वारा जारी निविदा सूचना के अनुसार परामर्श कार्य महत्वाकांक्षी जलविद्युत परियोजना के लिए एक व्यापक डीपीआर तैयार करने से संबंधित है। यह परियोजना परामर्श श्रेणी के अंतर्गत आती है और बोली प्रक्रिया हाइब्रिड मोड में आयोजित की जाएगी। इच्छुक फर्मों को दो-कवर प्रणाली के हिस्से के रूप में तकनीकी और वित्तीय दोनों बोलियां अलग-अलग जमा करनी होती हैं। निविदा विवरण के अनुसार बयाना राशि जमा (ईएमडी) 10 लाख तय की गई है जबकि निविदा शुल्क 10,000 रखा गया है। बोली वैधता अवधि 180 दिन निर्धारित की गई है।

शोपियां के कई गांवों में भीषण ओलावृष्टि, सेब के सैकड़ों बाग क्षतिग्रस्त

शोपियां 22 मई । दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के कई गांवों में शुक्रवार सुबह भीषण ओलावृष्टि हुई, जिससे सैकड़ों सेब के बाग क्षतिग्रस्त हो गए। ओलावृष्टि ने जिले के मैदानी इलाकों में स्थित कई सेब उत्पादक गांवों को प्रभावित किया।

स्मार्ट बॉर्डर परियोजना से भारत-बांग्लादेश और पाकिस्तान सीमा होगी अभेद्य : शाह

नई दिल्ली, 22 मई । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार भारत-बांग्लादेश और भारत-पाकिस्तान सीमा को अत्याधुनिक तकनीक से लैस 'स्मार्ट बॉर्डर' में बदलने की दिशा में तेजी से काम कर रही है और अगले एक वर्ष के भीतर अभेद्य सीमा सुरक्षा ग्रिड तैयार कर लिया जाएगा।

विज्ञान भवन में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) अलंकरण समारोह और रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय बहुत जल्द ड्रोन, रडार, आधुनिक कैमरों और अन्य तकनीकों से लैस स्मार्ट बॉर्डर परियोजना देश के सामने प्रस्तुत करेगा। शाह ने कहा कि दो महीने के अंदर ही मोदी सरकार बीएसएफ और सभी सीएपीएफ के जवानों के कल्याण के लिए एक बहुत बड़ा कार्यक्रम लाएगी। इसके बाद हमारे जवान सुनिश्चित होकर सीमाओं की सुरक्षा कर सकेंगे और उनके परिवारजनों की चिंता भारत सरकार का गृह मंत्रालय करेगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट बॉर्डर कॉन्सेप्ट के तहत सीमा सुरक्षा बल की सुरक्षा व्यवस्था में सभी प्रकार की आधुनिक तकनीकों को समाहित किया जा रहा है, जिससे बीएसएफ का काम न केवल आसान होगा बल्कि और अधिक मजबूत भी बनेगा।

मुख्य सचिव ने जम्मू और श्रीनगर शहरों के ट्रैफिक डी-कंजेशन प्लान की समीक्षा की

श्रीनगर, 22 मई। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आज ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम पर मल्टी डिसिप्लिनरी कमेटी (एमडीसी) की पांचवीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू और श्रीनगर शहरों में ट्रैफिक जाम कम करने और आवागमन बेहतर बनाने के लिए तैयार व्यापक कार्ययोजना की समीक्षा की गई। बैठक में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें अतिरिक्त मुख्य सचिव पीडब्ल्यूडी, प्रधान सचिव गृह, आयुक्त सचिव हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट विभाग, मंडलायुक्त जम्मू/कश्मीर, आईजी ट्रैफिक, सचिव परिवहन, डीआईजी ट्रैफिक जम्मू/कश्मीर, नगर निगम आयुक्त जम्मू/श्रीनगर, एसएसपी ट्रैफिक जम्मू/श्रीनगर, वीसी एसडीए और अन्य अधिकारी शामिल थे। मुख्य सचिव ने समिति द्वारा दी गई सिफारिशों को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने ब्लैक स्पॉट्स की पहचान और सुधार, प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण, रोटरी निर्माण और जंक्शन सुधार की प्रगति की भी समीक्षा की। मुख्य सचिव ने सभी प्रस्तावित कार्यों के लिए स्पष्ट फंडिंग स्रोत तय करने पर जोर दिया और कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य आम जनता को बेहतर यातायात सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने एच एंड यूडीडी को वित्त विभाग के साथ समन्वय कर इन परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में ट्रैफिक डी-कंजेशन, पार्किंग सुविधाओं के विस्तार, सड़क अवसंरचना सुधार, सार्वजनिक परिवहन को सुव्यवस्थित करने और इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को मजबूत करने के उपायों की विस्तृत समीक्षा की गई। जानकारी दी गई कि जम्मू और श्रीनगर में कई डायवर्जन रूट चिन्हित कर चालू किए गए हैं। जम्मू शहर में 10 और श्रीनगर में 5 डायवर्जन रूट संचालित किए जा रहे हैं। बैठक में बताया गया कि ई-रिक्शा जोन भी निर्धारित किए गए हैं ताकि ट्रैफिक को नियंत्रित करने और लास्ट माइल कनेक्टिविटी बेहतर बनाने में मदद मिल सके। जम्मू में 6 ई-रिक्शा जोन स्थापित किए गए हैं जबकि श्रीनगर में कई जोन चिन्हित किए गए हैं। मुख्य सचिव को बताया गया कि दोनों शहरों में कई स्थानों पर वन-वे ट्रैफिक सिस्टम लागू किया गया है तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नो-व्हीकल जोन बनाने के प्रस्तावों पर भी काम जारी है। बैठक में स्मार्ट सिटी कमांड एंड कंट्रोल रिस्पॉन्स सिस्टम, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, एटीएमएस जंक्शन निर्माण और आधुनिक निगरानी उपकरणों की खरीद पर भी चर्चा हुई।

श्री अमरनाथ यात्रा 2026-हर मोर्चे पर सुरक्षा टाइट, एसएसपी कठुआ ने दिए सख्त निर्देश

कठुआ, 22 मई । श्री अमरनाथ जी यात्रा 2026 को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने डीपीएल कठुआ में सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पुलिस व अन्य एजेंसियों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में यात्रा मार्ग, लंगर स्थलों, ठहराव केंद्रों, संवेदनशील क्षेत्रों और एनएच-44 पर सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। एसएसपी ने 24 घंटे निगरानी, संयुक्त नाके, एंटी-सैबोटाज चेकिंग और अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही डेरा मूवमेंट की निगरानी, संदिग्ध तत्वों पर कार्रवाई, किरायेदार/बाहरी व्यक्तियों व होटलों की जांच तेज करने को कहा गया। मेडिकल, फायर और आपात सेवाओं को पहले से तैनात रखने के भी निर्देश दिए गए।

एसएसपी ने स्पष्ट कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आम जनता से सहयोग व संदिग्ध गतिविधियों की सूचना डायल-112 पर देने की अपील की।

नीट के भौतिक विज्ञान प्रश्न पत्रों के लीक मामले में एनटीए की विशेषज्ञ गिरफ्तार

नई दिल्ली, 22 मई । सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा के भौतिक विज्ञान के प्रश्न पत्रों के लीक के स्रोत के रूप में एक और प्रमुख आरोपित की पहचान की है। महाराष्ट्र के पुणे स्थित सेठ हीरालाल सर्राफ प्रशाला में कार्यरत मनीषा संजय हवलदार को सीबीआई ने गहन पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। वह नीट-यूजी 2026 परीक्षा प्रक्रिया में शामिल थीं और एनटीए की ओर से विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त की गई थीं। उनके पास भौतिक विज्ञान के प्रश्न पत्रों तक पूरी पहुंच थी। सीबीआई के अनुसार अप्रैल 2026 के दौरान उन्होंने नीट-यूजी 2026 परीक्षा के भौतिक विज्ञान विषय से संबंधित कुछ प्रश्न सह-आरोपित मनीषा मंधारे (जिन्हें 16-05-2026 को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है) के साथ साझा किए थे।

सकीना इत्तू ने बडगाम विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति की समीक्षा की

"चल रही विकास परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

श्रीनगर, 22 मई। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने आज सिविल सचिवालय में आयोजित बैठक में बडगाम विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में विधायक बडगाम आगा सैयद मुंतज़िर मेहदी, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और समाज कल्याण विभागों के विशेष सचिव, निदेशक स्कूल शिक्षा कश्मीर, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं कश्मीर, निदेशक कॉलेज, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और समाज कल्याण विभागों के निदेशक योजना/निदेशक वित्त, सभी संबंधित विभागों के अतिरिक्त सचिव, सीएमओ श्रीनगर, सीएमओ बडगाम, सीईओ बडगाम और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने विभिन्न योजनाओं के तहत हुई प्रगति का जायजा लिया और पूरे विधानसभा क्षेत्र में चल रहे बुनियादी ढांचा विकास कार्यों की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाए रखने और गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्धारित समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को पूरा करने के निर्देश दिए।

गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज सोइबुग के संबंध में मंत्री ने चल रहे कार्यों में तेजी लाने को कहा ताकि परियोजना समय पर पूरी होकर जनता को समर्पित की जा सके। उन्होंने सभी विकास परियोजनाओं को समय पर पूरा कर जनता को लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।

बडगाम विधानसभा क्षेत्र के अन्य विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को प्राथमिकता देने और उनके समयबद्ध समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के सैटेलाइट कैंपस को स्थायी परिसर में कार्यशील बनाने के लिए सभी बाधाओं को दूर करने पर भी जोर दिया।

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने गैर मुमकिन खड्डों पर समयबद्ध रिपोर्ट मांगी

श्रीनगर, 22 मई । उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज जम्मू-कश्मीर में गैर मुमकिन खड्डों से संबंधित मुद्दों की जांच के लिए गठित उप-समिति की बैठक की अध्यक्षता की। श्रीनगर स्थित सिविल सचिवालय में आयोजित इस बैठक में जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा और कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता एवं चुनाव मंत्री जावेद अहमद डार उपस्थित थे जो उप-समिति के सदस्य हैं। उपमुख्यमंत्री ने समिति की रिपोर्ट को अंतिम रूप देने से पहले नामित कार्यालयों के माध्यम से जनता से सुझाव प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आम जनता द्वारा सुझाव प्रस्तुत करने में सुगमता के लिए सिविल सचिवालय से एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि रिपोर्ट समयबद्ध तरीके से प्रस्तुत की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि जनता की वास्तविक चिंताओं का निष्पक्ष और वैध तरीके से समाधान किया जाए। जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा ने उप-समिति को गैर मुमकिन खाद की वर्तमान स्थिति और चल रही पृथक्करण प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। बैठक के दौरान बोलते हुए उपमुख्यमंत्री ने जनता की समस्याओं के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए व्यावहारिक और जनहितैषी निर्णय ों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नीतिगत हस्तक्षेपों में पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों की आजीविका एवं संपत्ति के अधिकारों की रक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। समिति ने खाद के उचित पृथक्करण और सटीक विवरण प्रस्तुत करने के लिए एक तकनीकी टीम के गठन का निर्देश दिया। आवर्ती जन समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए गंभीर समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान करने के निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर बोलते हुए जावेद अहमद राणा ने गैर मुमकिन खाद से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए संतुलित और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रभावित आबादी को राहत सुनिश्चित करते हुए पारिस्थितिक हितों की रक्षा के लिए विभागों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। कृषि मंत्री ने पारदर्शिता, जनभागीदारी और शिकायतों के समय पर निवारण के महत्व पर प्रकाश डाला। उप-समिति ने गैर मुमकिन खड्डों, दरियाओं और नालों की मौजूदा स्थिति और उनसे संबंधित चिंताओं पर विस्तार से चर्चा की जिसका उद्देश्य आम जनता को आवश्यकतानुसार राहत प्रदान करना था।

राबिता आउटरीच सलाहकार वानी ने जम्मू के प्रतिनिधिमंडलों की समस्याएं सुनीं, समयबद्ध निस्तारण पर जोर

जम्मू, 22 मई। मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी ने आज राबिता पहल के तहत कैनाल रोड जम्मू स्थित राबिता कार्यालय में व्यापक जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया। जम्मू संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से आए कई प्रतिनिधिमंडलों और व्यक्तियों ने सलाहकार से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं और शीघ्र समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडलों से बातचीत के दौरान सलाहकार ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही शिकायतों के प्राथमिकता के आधार पर समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों से भी कहा कि वे अपने मामलों को संबंधित विभागों के साथ लगातार फॉलोअप करें ताकि समय पर निस्तारण सुनिश्चित हो सके।सलाहकार से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडलों में जीसीसी गुरहा सलाथिया (एनजीओ) का प्रतिनिधिमंडल भी शामिल था, जिसने क्षेत्रीय विकास और सामाजिक कल्याण से जुड़े मुद्दे उठाए। बठिंडी वेलफेयर बोर्ड के सिटीजन फोरम के प्रतिनिधिमंडल ने बठिंडी क्षेत्र की सामान्य विकास समस्याओं के समाधान की मांग की। वहीं सिटीजंस कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड जम्मू के चेयरमैन के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल ने बैंक से जुड़े जरूरी मामलों को उठाया और हस्तक्षेप की मांग की। राजस्व विभाग के सेवानिवृत्त प्रवासी कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने उनकी सेवा अवधि को ऑन ड्यूटी मानने और लंबित अवकाश नकदीकरण लाभों को जल्द मंजूरी देने की मांग की। पंथल क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय विद्यालय की भूमि से संबंधित मुद्दा उठाया और स्थानीय समुदाय के हित में संस्थान की विकास आवश्यकताओं पर चर्चा की। जेकेपीएससी/जेकेएसएसबी अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल ने भर्ती और परीक्षाओं से संबंधित शिकायतें रखीं, जिनमें भर्ती प्रक्रिया में देरी और अनिश्चितता शामिल थी। इसके अलावा कठुआ के कुछ व्यक्तियों ने भी सलाहकार से मुलाकात की। नासिर असलम ने कहा कि राबिता पहल का उद्देश्य सरकार और नागरिकों के बीच सीधा संवाद मजबूत करना है ताकि शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आउटरीच कार्यक्रम के दौरान दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें।

19 दिन में खड़ी कर दी 57 मंजिला इमारत

57 मंजिला इमारत जिसमें 4000 ऑफिस और 800 अवासीय परिसर हैं, मात्र 19 दिनों में खड़ी कर दी गई। यानी हर रोज बिल्डिंग के 3 मंजिलों का निर्माण। है न हैरतअंगेज!

चीन के चांगशा शहर में बनी इस बिल्डिंग को प्रीफैब कंस्ट्रक्शन फर्म ने बनाया है। फर्म द्वारा जारी एक वीडियो में यह बताया गया है कि कैसे उसने इतनी कम अवधि में इस बिल्डिंग का निर्माण किया। वीडियो में बताया गया है चीन के हुनान प्रांत में स्टील और कांच से बनी इस इमारत को मात्र 19 कार्यकारी दिनों में खड़ा किया गया।

फर्म के एक अधिकारी जियोझांग जेंग ने बताया कि बिल्डिंग का निर्माण दो हिस्सों में किया गया। आधी इमारत का निर्माण सन 2014 में किया गया जबकि बाकी आधी इमारत का निर्माण इस साल के पहले दो महीनों में किया गया। जेंग ने बताया कि उनके फर्म की योजना 97 मंजिला इमारत बनाने की थी लेकिन हवाई अड्डे से निकटता के कारण इसे घटाकर 57 मंजिला कर दिया गया। बिल्डर द्वारा इस बिल्डिंग के निर्माण में केवल 19 दिन खर्च किए गए। फर्म अब 220 मंजिला इमारत बनाने की योजना बना रही है। इस योजना को शुरू करने के लिए उसे सरकार की अनुमति का इंतजार है।

हवा में तैरता रेस्त्रां

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक रेस्त्रां डिनर इन द स्काई थीम पर बनाया गया है। हवा में 150 फीट ऊपर तैरते हुए यहां मेहमानों को लजीज पकवान परोसा जाता है। इस रेस्त्रां को क्रेन से उठाया जाता है। इंटरनेशनल फोर्ब्स मैगजीन ने इसे दुनिया के 10 सबसे अनयूजुअल रेस्त्रां की सूची में शामिल किया है।

यहां शरीर पर परोसते हैं खाना

यहां खाना और स्वागत में होता है अपमान

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने बनाया सटीक विश्व का नक्शा

अमेरिका का यह 11 साल का बच्चा इंटरनेट जगत में सनसनी बना हुआ है। लोगों से ज्यादा न घुलने-मिलने वाला, अपने में खोया रहने वाला ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने अपने अध्यापकों और सहपाठियों को तब चकित कर दिया जब इसने अपने क्लास के व्हाइट बोर्ड पर कुछ ही मिनटों में विश्व का नक्शा बना डाला वह भी एकदम सटीक।

उसके सहपाठियों ने उसकी तस्वीर और नक्शा बनाते हुए उसकी वीडियो इंटरनेट पर शेयर की और यह पूरे विश्व में वायरल हो गई। 11 साल के इस बच्चे का पिता एक स्कूल में अध्यापक है और यह बच्चा ऑटिज्म की बीमारी से पीड़ित है। खास बात यह है कि इस बच्चे ने विश्व का न सिर्फ सटीक नक्शा बनाया बल्कि उसने

नक्शे में छोटे-छोटे देश और यहां तक कि उन छोटे आइलैंड को भी बनाया जिनपर नक्शा देखते वक्त अमूमन नजर भी नहीं जाती।

इस बच्चे की यह विलक्षण स्मरण शक्ति सचमुच हैरान करने वाली है। इससे पहले भी ऑटिज्म से पीड़ित एक ब्रिटिश कलाकार तब मशहूर हुआ था जब न्यूयॉर्क शहर के ऊपर से एक छोटे से हैलीकॉप्टर यात्रा के बाद उसने शहर की गगनचुंबी इमारतों की पैनारॉमिक व्यू वाली पेंटिंग बना डाली थी। स्टीफन विल्टशायर नामक इस कलाकार की पेंटिंग में गजब की सूक्ष्मता थी।

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीडन् से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

मेहनत से मिली जीत

बात अगस्त 2013 की है। करीब एक महीने से मुझे बुखार आ रहा था। मेरी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और करीब चार महीने अगस्त से नंवबर तक बिस्तर से उठ नहीं पाई। मैं पूरे पांच महीने तक पढ़ नहीं सकी। छठे महीने में जब स्कूल पहुंची तो मैं बहुत घबराई हुई थी, क्योंकि कोर्स में बहुत ज्यादा पिछड़ चुकी थी। मैं अपने सर के पास जाकर रोने लगी और कहने लगी कि मैं इस साल बोर्ड की परीक्षा नहीं दे पाऊंगी। मेरा एक साल बेकार हो जाएगा। लेकिन मेरे सर ने मुझे ढाढस बंधाया और खूब मेहनत करने की सलाह दी। मेरे मम्मी-पापा ने भी मेरा हौसला बढ़ाया।

आखिरकार मैंने पढ़ाई शुरू कर दी। इसमें मेरे प्रिंसिपल सर, मैथ्स टीचर, मेरे पैरेंट्स और मेरी दादी ने मेरा हौसला तो बढ़ाया ही, उन्होंने मदद भी की। सबकी सलाह पर मैंने हू-ब-हू अमल किया। पूरा कोर्स पढ़ने की बजाय मेन-मेन पॉइंट्स पर फोकस किया। मेरे पैरेंट्स ने कोचिंग लगा दी। पापा गेस पेपर्स लेकर आए, जिनकी मदद से मैंने खूब प्रैक्टिस की। इस बीच मम्मी मेरा पूरा ख्याल रखती थीं। जनवरी-फरवरी, दो महीनों में मैंने कठिन परिश्रम किया और मार्च में दसवीं बोर्ड की परीक्षा दी। मेरे पेपर अच्छे हुए और परिणाम 80.16 परसेंट रहा। सचमुच, मेहनत करना खाली कभी नहीं जाता।

मनोबल रहे ऊंचा

मैं हर साल प्रथम श्रेणी में पास हुआ। कक्षा दस की बोर्ड परीक्षा के लिए तो मैंने ठान लिया था कि मैं अपनी मेहनत और लगन से कॉलेज में टॉप करूंगा। जब मेरा रिजल्ट इंटरनेट पर घोषित हुआ, तो मैं यह देखकर बेहद खुश हुआ कि मैंने 90 परसेंट अंक पाकर कॉलेज टॉप किया है। अब मुझे 11वीं कक्षा में एडमिशन लेना था।

मैंने शुरू के पांच-छह दिन तो क्लास अटेंड की, इसके बाद क्लास ड्रॉप करने लगा। मुझे लगा जिस तरह हाईस्कूल में टॉप किया, उसी तरह 11वीं में भी कर लूंगा। 11वीं की परीक्षा का रिजल्ट आया, तो सभी बच्चे कॉलेज गए। प्रार्थना स्थल पर उन बच्चों के नाम घोषित किए जाते थे, जो कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आते थे। जब नाम घोषित हुए, तो कक्षा 11 में टॉप थ्री में मेरा नाम कहीं नहीं था। वहां सब हैरान थे। मैं चुपके से पंक्ति से बाहर निकला और घर आ गया। मैं समझ नहीं पा रहा था कि घर वालों से क्या कहूंगा। जो हमेशा प्रथम आता था, वह तीसरे स्थान पर भी नहीं था।

पर मैंने खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया। मेरे घर वालों ने मेरी हिम्मत बढ़ाई।

12वीं के लिए फिर से मैंने कठिन परिश्रम किया और खूब पढ़ाई की। मेरी मेहनत और लगन रंग लाई। इसलिए दोस्तो, कभी किसी काम को छोटा या आसान नहीं समझना चाहिए कि तुम उसे छोड़ दो। वहीं, किसी काम को इतना मुश्किल भी नहीं समझना चाहिए कि तुम कर ही न सको। मनोबल एक बहुत बड़ा गुण है। पूरी लगन और मेहनत से किसी चीज को पाने की सोचो, तो वह जरूर मिलती है।

मदद करने से मिलती है खुशी

यह तब की बात है जब मैं 13 साल का था और कक्षा 9 में पढ़ता था। अब मैं 14 साल का हो गया हूं। मेरे पिता जी कहते हैं कि लोगों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।

%अगर तुम किसी की मदद करना चाहते हो तो तुम्हारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाएगी और एक अलग तरह की खुशी का भी अनुभव होगा।% एक बार हम सपरिवार घर के बाहर गये थे। हम लोग जी.टी. रोड के किनारे पैदल ही चल रहे थे। मैं पापा से पीछे था। तभी मैंने देखा कि सड़क के किनारे एक वृद्ध महिला खड़ी हैं। असल में वह रोड पार करना चाहती थीं, मगर सड़क पर बहुत तेज गाडिया़ चल रही थीं, इसलिए यह संभव नहीं हो रहा था। कोई भी उनकी मदद करता नहीं दिख रहा था। तभी मुझे पापा कि बात याद आई और मैं दौड़ कर उन महिला के पास गया और कहा, आइए अम्मा मैं आप को रोड पार करा देता हूं।

उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और चलने लगीं। सड़क पर काफी तेजी से वाहन आ-जा रहे थे। लेकिन मेरे अंदर पता नहीं कैसे हिम्मत आ गयी थी। मुझे थोड़ा सा भी डर नही लग रहा था। मैंने उनको आराम से रोड पार करा दिया।

उसके बाद उन्होंने मुझे खूब आशीर्वाद दिया और चली गयी। वास्तव में उस समय मदद करने के बाद मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। उस दिन मुझे यह पता चला कि जब हम किसी कि मदद करते हैं तो भगवान भी हमारा साथ

देता है और हमें हिम्मत देता है।

बच्चों के लिए ज्यादा डांट-फटकार ठीक नहीं

माता-पिता से यह जानकारी भी ली गई कि सात से 11 वर्ष की उम्र में क्या बच्चों को ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ा था। अब 50 वर्ष की उम्र में पहुंच चुके इन व्यक्तियों के अध्ययन से यह पता चला है कि उनमें अवसाद, तनाव और आत्महत्या करने जैसी प्रवृति अधिक देखने को मिली। ये सामाजिक रूप से भी अलग-थलग पाए गए हैं।

सायकिएट्री संस्थान की मनोचिकित्सक लुईस आर्सेनल्ट का कहना है कि अब आप अपने दिमाग से यह धारणा निकाल दीजिए कि बच्चों को बचपन में ज्यादा डांटना या फटकारना जरूरी होता है। शिक्षकों, माता-पिता और नीति निर्माताओं को इस बात से वाकिफ होना चाहिए कि बचपन में स्कूल अथवा घर में बच्चों के साथ जो व्यवहार होता है उसके परिणाम बहुत बाद में दिखाई देते हैं।

बचपन में जिन बच्चों को ज्यादा डराया तथा धमकाया जाता है, उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल असर पड़ता है और प्रौढ़ावस्था में इन बच्चों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ब्रिटेन के मनोचिकित्सकों के अनुसार जिन बच्चों को बचपन में ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है अथवा जिनके सहपाठी उन्हें पीटते हैं, तो ऐसे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य न केवल प्रभावित होता है, बल्कि 50 वर्ष की आयु में इन्हें अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ब्रिटेन के किंग्स कॉलेज लंदन के सायकिएट्री संस्थान के मनोचिकित्सक यू ताकीजावा की अगुवाई में किए गए इस अध्ययन की रिपोर्ट अमेरिकन जर्नल ऑफ सायकिएट्री में शुक्रवार को प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस संबंध में 40 वर्ष पूर्व कराए गए अध्ययन आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

इस अध्ययन में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में 1958 में एक हफ्ते में जन्में 7,771 बच्चों को शामिल किया गया था। इन बच्चों के माता-पिता से पूछा गया था कि बचपन में उनके साथ घर में क्या बर्ताव होता था और कक्षा में सहपाठी उनके साथ क्या व्यवहार करते थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

टेक्नोलॉजी का कमाल–100 खोए मोबाइल मालिकों तक लौटे, साइबर ठगी के 33 लाख भी वापस

कठुआ, 22 मई (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने नागरिक सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को साबित करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने पिछले दो महीनों में जिले के विभिन्न थानों में दर्ज शिकायतों के आधार पर 100 खोए चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं जिनकी कुल कीमत करीब 17.01 लाख बताई गई है। इनमें 3 एप्पल आईफोन भी शामिल हैं।

एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने बताया कि आईटी सेक्शन डीपीओ कठुआ की टीम ने आधुनिक तकनीक और लगातार प्रयासों से इन मोबाइल फोन को जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित कई स्थानों से ट्रेस किया। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंप दिए गए। पुलिस के अनुसार पिछले दो वर्षों में करीब 600 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी कुल कीमत ?1.06 करोड़ से अधिक है। वहीं, साइबर पुलिस स्टेशन कठुआ ने भी ऑनलाइन ठगी के मामलों में उल्लेखनीय काम किया है। जनवरी से अप्रैल 2026 के बीच करीब 33.84 लाख की ठगी राशि पीड़ितों को वापस दिलाई गई है। स्थापना से अब तक साइबर पुलिस करीब 1.77 करोड़ की राशि रिकवर कर चुकी है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि मोबाइल खोने या चोरी होने पर तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर रिपोर्ट करें और साइबर ठगी की स्थिति में 1930 हेल्पलाइन या राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर तुरंत शिकायत दर्ज कराएं।

जन समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता : जावेद अहमद राणा

श्रीनगर, 22 मई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के जल शक्ति, वन, पर्यावरण एवं जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा से शुक्रवार को कई विधायकों, जन प्रतिनिधियों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधिमंडलों ने मुलाकात कर विकास कार्यों और जन समस्याओं से अवगत कराया।

विधायक उडी डॉ. सज्जाद शफी और हजरतबल के विधायक सलमान सागर ने अपने-अपने क्षेत्रों में पेयजल, सिंचाई सुविधाओं, बुनियादी ढांचे के विकास और लंबित परियोजनाओं को जल्द पूरा करने की मांग उठाई। इसके अलावा जल जीवन मिशन से जुड़े ठेकेदारों ने भुगतान और प्रक्रियागत समस्याओं के समाधान की मांग की जबकि सिंचाई विभाग के मौसमी कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मंत्री से हस्तक्षेप की अपील की।

मंत्री ने सभी की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि वास्तविक मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उठाए गए मामलों पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और सरकार की जनहित एवं पारदर्शी कार्यशैली को और मजबूत किया जाए।

जम्मू-कश्मीर में उद्योगों को बढ़ावा देने पर संसद की स्थायी समिति का मंथन

जम्मू, 22 मई (हि.स.)। सांसद और उद्योग संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष, तिरुचि शिवा के नेतृत्व में सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने श्रीनगर के रैडिसन ब्लू होटल में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न औद्योगिक संघों के साथ एक संवाद बैठक की। बैठक के दौरान समिति अध्यक्ष तिरुचि शिवा ने जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक विकास, एमएसएमई सेक्टर की चुनौतियों और नीति संबंधी मुद्दों पर विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा की। इस संवाद में लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधियों ने भी भाग लेते हुए एमएसएमई और उद्योगों से जुड़े प्रमुख मुद्दों तथा आवश्यक नीतिगत सुधारों को लेकर विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

लघु उद्योग भारती का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य परवीन परगल, महासचिव आगम जैन तथा सदस्य फहाद भट ने किया।

प्रतिनिधिमंडल ने समिति को अवगत कराया कि जम्मू-कश्मीर में सतत औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और वास्तविक एमएसएमई निवेशकों के संरक्षण के लिए तत्काल नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है। बैठक में न्यू सेंट्रल सेक्टर स्कीम के तहत पंजीकरण प्रक्रिया अचानक बंद किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई।

प्रतिनिधियों ने कहा कि इस निर्णय से सैकड़ों वास्तविक एमएसएमई निवेशक असमंजस की स्थिति में हैं जबकि उन्होंने पहले ही भारी निवेश किया है।

इसके अलावा औद्योगिक भूमि की उपलब्धता, औद्योगिक ढांचे के विकास, प्रोत्साहन योजनाओं में पारदर्शिता तथा सरकारी खरीद में एमएसएमई को मिलने वाली प्राथमिकता को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग भी उठाई गई। प्रतिनिधियों ने कहा कि इससे स्थानीय उद्योगों को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

बैठक में भुगतान में देरी, जटिल टेंडर प्रक्रिया, डिजिटल अंतराल और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता की कमी जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया गया। साथ ही सीजीटीएमएसई योजना में सुधार कर बिना गारंटी ऋण सुविधा को आसान और पारदर्शी बनाने की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर में रेल कोच निर्माण फैक्ट्री स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा ताकि स्थानीय विनिर्माण और सहायक उद्योगों को बढ़ावा मिल सके। इसके अतिरिक्त औद्योगिक ईंधन की ऊंची कीमतों, एलपीजी दरों में पड़ोसी राज्यों की तुलना में असमानता तथा पीएनजी ढांचे के विकास की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान बायो-सीएनजी, बायोगैस, बायोमास और वेस्ट-टू-एनर्जी जैसे वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देने के सुझाव भी दिए गए ताकि आयातित पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भरता कम हो और 卐आत्मनिर्भर भारत卐 के लक्ष्य को मजबूती मिल सके।

तिरुचि शिवा ने सभी संगठनों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि बैठक में उठाए गए मुद्दों और सुझावों पर उचित स्तर पर विचार किया जाएगा। बैठक का समापन जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने, कारोबार सुगमता बढ़ाने और समावेशी औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने की सामूहिक अपील के साथ हुआ।

विश्व जैव विविधता संरक्षण दिवस पर जम्मू और कश्मीर झील संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने जागरूकता कार्यक्रम

श्रीनगर 22 मई (हि.स.)। विश्व जैव विविधता संरक्षण दिवस के अवसर पर, जम्मू और कश्मीर झील संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के लिए हदुरा गांव में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए जेकेएलसीएमए के उपाध्यक्ष खुर्शीद अहमद शाह ने भावी पीढ़ियों के कल्याण के लिए पृथ्वी की समृद्ध जैव विविधता की रक्षा करने और पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने किसानों से पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और स्वस्थ कृषि उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए जैविक खेती की ओर बढ़ने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को रासायनिक उर्वरकों, फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के मिट्टी के स्वास्थ्य, जल संसाधनों और पर्यावरण पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। टिकाऊ और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार कृषि पद्धतियों के महत्व को विस्तार से समझाया गया।

एनएएफईडी के सहयोग से जेकेएलसीएमए ने स्थानीय किसानों को जैविक विकल्पों के उपयोग को प्रोत्साहित करने और सिंथेटिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के लिए 250 किलोग्राम जैविक उर्वरक भी वितरित किए।

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2.0 के तहत सीमा गांवों का दौरा, विकास योजनाओं पर मांगे सुझाव

कठुआ, 22 मई (हि.स.)। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2.0 के तहत हीरानगर उपमंडल के सीमावर्ती गांवों रठुआ, करोल कृष्णा, कड्याला और गुज्जर चक का प्रभारी अधिकारियों ने दौरा किया। इस दौरान अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से संवाद कर गांवों के विकास के लिए सुझाव मांगे और तैयार की जा रही योजनाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने ग्रामीणों की प्राथमिक जरूरतों जैसे पेयजल, सड़क, पार्क, जिम, स्वास्थ्य केंद्र, स्ट्रीट लाइट और अन्य सुविधाओं पर चर्चा की । लोगों ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाते हुए कई मांगें रखीं। बाद में जिला मुख्यालय कठुआ में समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें विभिन्न विभागों को प्रस्तावित कार्यों की डीपीआर जल्द तैयार करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि सभी सुझावों को अंतिम विकास योजना में शामिल किया जाएगा ताकि सीमावर्ती गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

22 वर्षीय महिला ने अपने प्रेमी के फोन का जवाब न देने पर खुद को लगाई आग, 80 प्रतिशत तक जली

जम्मू, 22 मई (हि.स.)। एक 22 वर्षीय महिला ने अपने प्रेमी के फोन का जवाब न देने पर खुद को आग लगा ली।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना गुरुवार को तावी पुल के पास घटी जब महिला ने गुस्से में आकर अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डाला और खुद को आग लगा ली। आस-पास से गुजर रहे लोगों ने तुरंत उसकी मदद की और आग बुझाई जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि महिला लगभग 80 प्रतिशत जल गई है और उसका इलाज चल रहा है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि रिश्ते में तनाव इस घटना का कारण था। अधिकारी ने बताया कि महिला का बयान गुरुवार रात अस्पताल में मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में दर्ज किया गया।

अधिकारी ने कहा कि उसने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने पिछले दो-तीन दिनों से अपने प्रेमी से बात नहीं की थी क्योंकि वह उसके फोन का जवाब नहीं दे रहा था। उसने कहा कि उसका मरने का कोई इरादा नहीं था लेकिन उसने गुस्से में आकर ऐसा किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है

युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश, जीडीसी बनी का जागरूकता अभियान

कठुआ/बनी, 22 मई (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बनी द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गवर्नमेंट मिडिल स्कूल सरथली में नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह अभियान प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नीना गुप्ता के मार्गदर्शन में चलाया गया।

कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के प्राध्यापकों ने छात्रों को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्रों और स्टाफ को नशा मुक्त रहने की शपथ भी दिलाई गई। इसके साथ ही लोवांग पंचायत क्षेत्र में नए प्रवेश अभियान से जुड़े जागरूकता पोस्टर भी लगाए गए। कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ और विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। कॉलेज प्राचार्य ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज से नशे जैसी बुराई को खत्म करने के लिए सभी वर्गों तक जागरूकता पहुंचाना जरूरी है।

डीजीपी लद्दाख मुकेश सिंह को 3 साल की प्रतिनियुक्ति पर मणिपुर स्थानांतरित किया

श्रीनगर, 22 मई (हि.स.)। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) लद्दाख, मुकेश सिंह को तीन साल की अवधि के लिए अंतर-कैडर प्रतिनियुक्ति पर मणिपुर में स्थानांतरित करने की मंजूरी दे दी है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार यह निर्णय गृह मंत्रालय से 15 मई, 2026 को प्राप्त एक प्रस्ताव के बाद लिया गया है। अंतर-कैडर प्रतिनियुक्ति को नियंत्रित करने वाले मानक नियमों में छूट और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के बाद अनिवार्य कूलिंग-ऑफ अवधि की छूट के साथ सार्वजनिक हित में एक विशेष मामले के रूप में मंजूरी दी गई है। सिंह ने हाल ही में डीजीपी लद्दाख का पदभार संभाला है। उन्हें जनवरी 2026 में केंद्र द्वारा एसडी सिंह जामवाल की जगह इस पद पर नियुक्त किया गया था जिन्हें बाद में अरुणाचल प्रदेश में तैनात किया गया था।

कठुआ में एडीसी का तबादला- विश्वजीत सिंह को विदाई, महिमा मदान ने संभाला पदभार

कठुआ, 22 मई (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ ने एडीसी विश्वजीत सिंह को भावभीनी विदाई देते हुए नई एडीसी महिमा मदान का स्वागत किया। डीसी कार्यालय परिसर में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में उपायुक्त राजेश शर्मा ने विश्वजीत सिंह की सेवाओं की सराहना करते हुए उनके कार्यकाल को प्रभावी प्रशासन और विकास कार्यों के लिए यादगार बताया।

उपायुक्त ने महिमा मदान का स्वागत करते हुए भरोसा जताया कि उनके अनुभव से जिले में जन-केंद्रित प्रशासन और मजबूत होगा।

इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने भी विश्वजीत सिंह के कार्यों की सराहना की। अपने संबोधन में विश्वजीत सिंह ने जिला प्रशासन और कर्मचारियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और अपने कार्यकाल को संतोषजनक बताया। कार्यक्रम के अंत में उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए और नई एडीसी का औपचारिक स्वागत किया गया।

जसरोटिया ने 67 लाख के सड़क कार्य शुरू किए, हटली जोन की बदलेगी तस्वीर

कठुआ, 22 मई (हि.स.)। जसरोटा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजीव जसरोटिया ने हटली जोन में ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 67 लाख की लागत वाले सड़क सुधार कार्यों की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने दो महत्वपूर्ण सड़कों जिसमें हल्टी से बडोली (8 लाख) और त्रिडवां सड़क (12 लाख) का उद्घाटन भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जसरोटिया ने कहा कि ग्रामीण विकास की रीढ़ मजबूत सड़क संपर्क है और सरकार का लक्ष्य दूरदराज के गांवों तक हर मौसम में सुगम सड़क सुविधा उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि इन सड़कों के सुधार से किसानों, छात्रों और रोजाना आवागमन करने वाले लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा। इसके अलावा विधायक ने संबंधित विभागों को हटली जोन में अन्य विकास कार्यों को भी तुरंत शुरू करने के निर्देश दिए। इनमें रसू से दुखत सड़क (20 लाख), सोवला रोड (12 लाख), लिंक रोड तलाड़ (8 लाख) तथा मिडिल स्कूल हटली में 7 लाख के बुनियादी ढांचा विकास कार्य शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं। साथ ही फील्ड स्तर पर नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा ताकि सरकारी धन का सही उपयोग हो और विकास का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे। स्थानीय लोगों ने लंबे समय से लंबित कार्यों के शुरू होने पर खुशी जताई और कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से आवागमन आसान होगा तथा स्वास्थ्य, शिक्षा और बाजार जैसी सुविधाओं तक पहुंच में सुधार आएगा।

कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता, विभागीय अधिकारी और स्थानीय प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

बसोहली में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक, एडीसी ने दिए अहम निर्देश

बसोहली, 22 मई (हि.स.)। एडीसी बसोहली पंकज भगोत्रा की अध्यक्षता में एडीसी कार्यालय में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

बैठक में बताया गया कि आईसीडीएस के तहत पिछले वित्त वर्ष में लाड़ली बेटी योजना के 2716 और मातृत्व वंदना योजना के 471 लाभार्थियों को लाभ मिला। कृषि विभाग ने जानकारी दी कि किसानों को सब्सिडी पर पावर टिलर, रीपर और ट्रैक्टर उपलब्ध कराए गए हैं जबकि बीज भंडारों में पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। जल शक्ति विभाग ने पानी की आपूर्ति के लिए अतिरिक्त टैंकर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की बात कही। वहीं सिंचाई विभाग ने बताया कि दो में से एक नहर का निर्माण पूरा हो चुका है और दूसरी पर कार्य जारी है। पीडब्ल्यूडी विभाग ने बताया कि जिला कैपेक्स के तहत अधिकांश कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि कुछ कार्य प्रगति पर हैं। एडीसी ने अधिकारियों को बारिश के मौसम से पहले सड़कों को सुचारू रखने के लिए मशीनरी तैयार रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा, एडीसी ने राशन डिपो में दो माह का स्टॉक उपलब्ध कराने और हर महीने की 20 तारीख को समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

लोक निर्माण विभाग
Public Works Department
محکمہ تعمیرات عامہ

Union Territory of Jammu and Kashmir
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD (R&B) DIVISION BHADERWAH

NOTICE INVITING TENDERS
e-NIT No.:- 31 of 2026-27 Dated:- 21-05-2026

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory Jammu and Kashmir, e-tenders are invited on Percentage basis form approved and eligible contractors registered with J&K Govt. CPWD Railways and other State / Central Governments for the following work

S. No.	Name of work	Advertised Cost (in lacs)	Earnest Money @ 2% (in Rs.)	Cost of Tender Document (in Rs.)	Time of Stage Contract	Class of contractor
1	2	3	4	5	6	7
1	Restoration / Maintenance of road under the jurisdiction of PWD (R&B) Division Bhaderwah on emergency basis by way of Slip Clearance, Snow Clearance, filling of ruts etc. likely to be damaged during financial year 2026-27 on :- (1) Thalsara Malothi from Village Thallori to Malothi link road (L = 1.375 Kms), (2) Link road to PHC Bhalla (L = 0.20 Kms)**(4thCall)**	STAGE CONTRACT	30,000	600	Stage Contract for the financial year 2026-27 upto 31-03-2027	A,B,C,D

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen / downloaded from the departmental website www.jktenders.gov.in as per below schedule.

1	**Date of Issue of Tender Notice**	**21-05-2026**
2	**Period of Downloading of bidding documents**	**From 21-05-2026 to 29-05-2026, 04:00 PM**
3	**Bid Submission Start Date**	**21-05-2026**
4	**Bid Submission End Date**	**29-05-2026 upto 04:00 PM**
5	**Date & Time of Opening of Technical Bids (Online)**	**30-05-2026 on or after 2:00 PM in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Bhaderwah**
6	**Date & Time of Opening of Financial Bids (Online)**	**To be notified after Technical bid evaluation is completed**

1. Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of e-challan through Treasury indicating Treasury Voucher No. & date, e-NIT No. and name of work duly crediting to 0059 (Revenue) favoring Executive Engineer PWD (R&B) Division, Bhaderwah uploading a copy of treasury challan and EMD/Bid Security in the shape of CDR/FDR duly pledged to Executive Engineer PWD (R&B) Division, Bhaderwah as mentioned in the bid documents (The Date of Treasury Challan / CDR / FDR should be between the date of Start of Bid and Bid Submission end Date)The earnest money of the unsuccessful bidder shall be released only after submission of Treasury Challan.
2. The electronic bidding system would not allow any late submission of bids after due date and time as per server time. Bidders may modify their bids by uploading their request for modification before the deadline for submission of bids. For this, the bidder need not make any additional payment towards the cost of tender document. For bid modification and consequential re- submission, the bidder is not required to withdraw his bid submitted earlier. The last modified bid submitted by the bidder within the bid submission time shall be considered as the bid. For this purpose, modification / withdrawal by other means will not be accepted. In online system of bid submission, the modification and consequentialsubmission of bids is allowed any number of times. The bidders may withdraw his bid by uploading their request before the deadline for submission of bids; however, if the bid is withdrawn, the resubmission of the bid is not allowed. No bid shall be modified or withdrawn after the deadline of submission of bids.
3. The date and time of opening of Financial-Bids shall be notified on Web Site www.jktenders.gov.in and conveyed to the bidders automatically through an e-mail message on their e-mail address. The Financial-bids of Responsive bidders shall be opened online in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division Bhaderwah. The date for same shall be intimated separately.
4. The bids for the work shall remain valid for a period of 120 days from the date of opening of Technical bids.
5. The bidder shall be disqualified from bidding for any contract with this office for a period of 03 Years from the date of notification, If :

a) Any bidder/tenderer withdraws his bid/tender during the period of bid validity or makes any modifications in the terms and conditions of the bid.
b) Failure of Successful bidder to furnish the required performance security within specified time period after issue of letter of acceptance.

6. Instruction to bidders regarding e-tendering process.

6.1 Bidders are advised to download bid submission manual from the "Downloads" option as well as from "Bidders Manual Kit" on website www.jktenders.gov.in to acquaint bid submission process.
6.2 To participate in bidding process, bidders have to get 'Digital Signature Certificate (DSC)' as per Information Technology Act-2000. Bidders can get digital certificate from any approved vendors.
6.3 The bidders have to submit their bids online in electronic format with digital Signature. No financial bid will be accepted in physical form.
6.4 Bids will be opened online as per time schedule mentioned above.
6.5 Bidders must ensure to upload scanned copy of all necessary documents mentioned in NIT and SBD with technical bid online.

No.:- EE/PWD/R&B/BHD/2026-27/1172-1183 Dated :- 21-05-2026

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
Bhaderwah

DIP/J-2469/26
Dtd: 22-5-2026

संपादकीय

बढ़ती अपराध दर

आजकल पुलिस चोरी की बढ़ती घटनाओं से निपटने के लिए जूझ रही है, जो अब काफी आम हो चुकी हैं। शायद ही कोई इलाका, खासकर बाजार, चोरी के खतरे से सुरक्षित हो। आजकल चोरों द्वारा अपनाए जा रहे तरीके भी असामान्य हैं, क्योंकि वे उन जगहों को निशाना बना रहे हैं जहां चोरी की संभावना सबसे कम मानी जाती थी। पहले चोर शहर के बाहरी इलाकों में स्थित घरों को निशाना बनाते थे, लेकिन अब वे इतने बेखौफ और आत्मविश्वासी हो गए हैं कि शहर के बीचोंबीच स्थित व्यस्त बाजारों को भी पुलिस या अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के डर के बिना निशाना बना रहे हैं। जम्मू शहर में हाल ही में सामने आया गुमट म्यूनिसिपल मार्केट का मामला सभी को झकझोर देने वाला है, जहां कथित तौर पर चोरों ने करीब 15 दुकानों से स्प्लिट एयर कंडीशनर के आउटडोर यूनिट चोरी कर लिए, जिससे व्यापारियों में दहशत फैल गई। इस तरह की अप्रत्याशित चोरियां जम्मू क्षेत्र में अब आम होती जा रही हैं और कई लोग इसके पीछे नशे की बढ़ती लत को मुख्य कारण मान रहे हैं।

यह हैरानी की बात है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस की पेशेवर दक्षता के बावजूद चोर भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी सक्रिय हैं, जहां दिन के साथ-साथ शाम और रात में भी काफी आवाजाही रहती है। यह साफ संकेत देता है कि अपराधी पूरी योजना और आत्मविश्वास के साथ काम कर रहे हैं। जम्मू शहर में अपराध की स्थिति चिंताजनक हो गई है और पुलिस को इस समस्या पर काबू पाने के लिए अपने प्रयास दोगुने करने होंगे, क्योंकि सब कुछ भगवान भरोसे छोड़ देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। चोरी की लगातार घटनाओं से व्यापारियों, दुकानदारों और आम लोगों में भय का माहौल पैदा हो गया है, जो अब अपनी संपत्ति और सामान की सुरक्षा को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जो बाजार कभी सुरक्षित माने जाते थे, वे अब असामाजिक तत्वों के आसान निशाने बनते जा रहे हैं।

विभिन्न दुकानों में हुई चोरी की घटनाओं में चोरों ने दुकानों के बाहर लगे एसी के आउटडोर यूनिट को निशाना बनाया। कुछ मामलों में पूरे कंप्रेसर यूनिट चोरी कर लिए गए, जबकि अन्य मामलों में बदमाश एयर कंडीशनर से कीमती तांबे की वायरिंग निकालकर फरार हो गए। इस तरह की घटनाएं न केवल दुकानदारों को आर्थिक नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस को भी उजागर करती हैं, जो बिना किसी झिझक के इन चोरियों को अंजाम दे रहे हैं। व्यापारी अब इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यदि ऐसी घटनाएं बिना रोक-टोक जारी रहीं, तो इससे व्यापारिक विश्वास बुरी तरह प्रभावित होगा और व्यावसायिक क्षेत्रों में दहशत का माहौल बन जाएगा। अपराधियों द्वारा आधुनिक उपकरणों और तकनीकों के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी अधिक सतर्क और तैयार रहने की जरूरत है।

जम्मू शहर में चोरी की बढ़ती घटनाएं अब नागरिकों और व्यापारियों दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी हैं। गुमट म्यूनिसिपल मार्केट की घटना यह दिखाती है कि स्थिति कितनी भयावह हो चुकी है। पुलिस को तकनीकी निगरानी, गश्त बढ़ाने और संवेदनशील इलाकों में बेहतर मॉनिटरिंग सिस्टम सहित सभी संसाधनों का उपयोग करते हुए ऐसे अपराधों में शामिल लोगों पर शिकंजा कसने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। दूसरी ओर, आम जनता को भी विशेषकर रात और अन्य असामान्य समय के दौरान सतर्क रहने की आवश्यकता है, क्योंकि चोरी की घटनाओं को रोकने और क्षेत्र को अपराधमुक्त बनाने में पुलिस को नागरिकों के सहयोग की भी जरूरत है।

विश्व भर में सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बन रहा भारत

गूगल और अमेज़न जैसी टेक कंपनियों द्वारा भारत में बड़े डेटा सेंटर स्थापित करने की योजनाएं इस भरोसे का सबसे बड़ा उदाहरण हैं। डेटा लोकलाइजेशन, क्लाउड सर्विस और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग भारत को डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का वैश्विक हब बना रही है। अमेरिकी कंपनियों की ओर से आए 60 अरब डॉलर के निवेश प्रस्ताव भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। यह निवेश आईटी सेक्टर के साथ ही विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर तक फैला हुआ है। भारत ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण, पारदर्शी कारोबारी माहौल और तेज निर्णय प्रक्रिया के जरिए विदेशी निवेशकों को भरोसा दिया है।

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दुनिया की बदलती आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच भारत आज वैश्विक निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद और स्थिर बाजार के रूप में उभर रहा है। अमेरिकी कंपनियों द्वारा पिछले छह महीनों में भारत में 60 अरब डॉलर से अधिक निवेश की प्रतिबद्धता निश्चित ही भारत की बढ़ती वैश्विक साख का प्रमाण है।

वस्तुत- वर्तमान में अमेजन, गूगल, सेमीकंडक्टर कंपनियों और बहुराष्ट्रीय कॉरपोरेट समूहों की भारत में बढ़ती दिलचस्पी यह दर्शाती है कि वैश्विक निवेशक अब चीन-केंद्रित मॉडल से हटकर भारत को दीर्घकालिक आर्थिक केंद्र के रूप में देख रहे हैं। अच्छी बात यह है कि व्यापक रूप में यह बदलाव तकनीक, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स, ग्रीन हाइड्रोजन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है।

कहना होगा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने आर्थिक सुधारों, डिजिटल ढांचे और स्थिर नीतियों के जरिए अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसा जीता है। मंत्री पीयूष गोयल ने कहा भी है, भारत ऐसा आर्थिक ढांचा प्रदान करता है जहां 卐पैमाना, प्रतिभा और बाजार卐 तीनों एक साथ उपलब्ध हैं। भारत के पास 1.4 अरब की विशाल आबादी, तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग और डिजिटल उपभोक्ता बाजार है। बढ़ती आय और उपभोग क्षमता विदेशी कंपनियों को आकर्षित कर रही है। अमेरिकी कंपनियां यह समझ चुकी हैं कि भारत केवल उत्पादन का केंद्र नहीं, बल्कि उपभोक्ता अर्थव्यवस्था का भी सबसे बड़ा भविष्य है। यही कारण है कि अमेरिका सहित दुनिया की बड़ी कंपनियां भारत में दीर्घकालिक निवेश को सुरक्षित मान रही हैं।

गूगल और अमेज़न जैसी टेक कंपनियों द्वारा भारत में बड़े डेटा सेंटर स्थापित करने की योजनाएं इस भरोसे का सबसे बड़ा उदाहरण हैं। डेटा लोकलाइजेशन, क्लाउड सर्विस और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग भारत को डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का वैश्विक हब बना रही है।

अमेरिकी कंपनियों की ओर से आए 60 अरब डॉलर के निवेश प्रस्ताव भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। यह निवेश आईटी सेक्टर के साथ ही विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर तक फैला हुआ है। भारत ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण, पारदर्शी कारोबारी माहौल और तेज निर्णय प्रक्रिया के जरिए विदेशी निवेशकों को भरोसा दिया है।

इस बीच यह भी एक सच है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय कई चुनौतियों से जूझ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, ऊंची महंगाई और डॉलर की मजबूती ने अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित किया है। भारतीय रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96 के स्तर तक कमजोर हुआ है, किंतु जैसा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि भारत सरकार पूरी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और विभिन्न आर्थिक उपायों पर काम किया जा रहा है। उनका विश्वास है कि भारत इस कठिन दौर से भी विजेता बनकर उभरेगा।

वस्तुत- भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी घरेलू मांग और मजबूत सेवा अर्थव्यवस्था है। दुनिया के कई देशों में जहां आर्थिक मंदी की आशंका है, वहीं भारत आज भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जिसमें कि प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी की हालिया पांच देशों की यात्रा ने भारत के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत किया है। संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण निवेश और रणनीतिक समझौते हुए।

यूएई ने भारत में लगभग पांच अरब डॉलर के नए निवेश का ऐलान किया। वहीं, कुल नए निवेश और व्यापार विस्तार योजनाओं का अनुमानित मूल्य लगभग 40 अरब डॉलर बताया गया। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 50 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इन कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य लगभग तीन ट्रिलियन डॉलर के करीब माना जा रहा है। यह तथ्य अपने आप में दर्शाता है कि भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर कितना महत्वपूर्ण बन चुका है।

आज सरकार का फोकस भविष्य की तकनीकों पर है। सेमीकंडक्टर निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ग्रीन हाइड्रोजन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से निवेश बढ़ रहा है। नीदरलैंड के साथ सेमीकंडक्टर और ग्रीन हाइड्रोजन पर रणनीतिक साझेदारी इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। वहीं स्वीडन और इटली के साथ टेक्नोलॉजी एवं रक्षा सहयोग भारत की औद्योगिक क्षमता को नई दिशा देगा।

भारत में पहले से मौजूद बहुराष्ट्रीय कंपनियों का कुल निवेश और कारोबार लगभग 180 अरब डॉलर के आसपास पहुंच चुका है। अब ये कंपनियां अपने परिचालन का और विस्तार करना चाहती हैं। इसका सीधा लाभ रोजगार, तकनीकी विकास और निर्यात वृद्धि के रूप में भारत को मिलेगा।

ऐसे में कहना यही होगा कि वर्तमान भारत को दुनिया एक विकासशील देश से कहीं आगे खाद्य सुरक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और टिकाऊ विकास के मॉडल के रूप में देख रही है। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोबाइल निर्माण, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है।विदेशी निवेश का लगातार बढ़ता प्रवाह यह संकेत देता है कि आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में और मजबूत होगा।वस्तुत- 60 अरब डॉलर का अमेरिकी निवेश, 40 अरब डॉलर की नई व्यापार योजनाएं, यूएई का 5 अरब डॉलर निवेश और 180 अरब डॉलर का मौजूदा विदेशी कारोबारी आधार, ये सभी आंकड़े भारत की आर्थिक ताकत को प्रमाणित करते हैं। अत- स्वभाविक तौर पर स्पष्ट है कि भारत अब अवसरों का वास्तविक केंद्र बन चुका है। हम उम्मीद करें कि वैश्विक कंपनियों का बढ़ता भरोसा इस बात का संकेत है कि आने वाले दशक में भारत विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने वाले देशों में अग्रणी भूमिका जरूर निभाएगा।

विश्व अशांति के दौर में भारत की संयमित आवाज

कुल मिलाकर अमेरिका ईरान का सीज फायर संकट में है। हॉर्मुज स्ट्रेट का मामला सिर दर्द बना हुआ है। रूस यूक्रेन पहले की तरह ही मोर्चे पर डटे हुए हैं। किसी की ताइवान तो किसी की क्यूबा पर गंदी नजर है। जिन्हें खुद पर गुरुर था अब वो खुद चलकर उन देशों की यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें कल तक शत्रु देश कहा जा रहा था। हद तो यह है कि शाब्दिक जुगलियों के लिए बदनाम हो चुके स्वयंभू विद्वानों को मध्यस्थता के लिए भी मिला तो पाकिस्तान। वह पाकिस्तान, जिसके बारे में कहा जाता है कि कल उसका अस्तित्व दुनिया के नक्शे पर रहेगा भी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। क्योंकि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को पाल पोसकर अपनी मौत का बंदोबस्त कर चुका है।

डॉ राघवेंद्र शर्मा

हमें कब, कहां, क्या, बोलना चाहिए या नहीं बोलना चाहिए, या फिर हमें कब, कहां, क्या, करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए, यह सावधानी बड़े मायने रखती है। क्योंकि हमारे विद्वान कह गए हैं - बिना बिचारे जो करे सो पांछे से पछताय। काम बिगाड़े आपनो, जग में होत हंसाय।। अर्थात बिना विचार किये जो भी व्यक्ति कुछ कहता या करता है, वह खुद का काम तो बिगाड़ता ही है, साथ में हंसी का पात्र भी बनता है। आज यही हालत खुद को दुनिया का ठेकेदार मानने वाले देशों और वहां के कतिपय नेताओं की हो गई है।

अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों बोला? सब जानते हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दुश्मनी डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर क्यों ली? यह भी सबको पता है। रूस यूक्रेन लंबे समय से क्यों एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं, यह भी किसी से छुपा नहीं है। रह जाती है खाड़ी देशों की बात, तो वहां से भी अच्छे समाचार नहीं मिल रहे। आपस में एक-दूसरे के ठिकानों पर बमबारी करने की मजबूरी देखने को मिल रही है। लेकिन वैश्विक और क्षेत्रीय कुछ नेताओं ने युद्ध से पहले और युद्ध के दौरान जो कहा और किया, उस कृत्य ने उनकी वैश्विक छवि को हास्यास्पद बना दिया है।

मसलन - ईरान को बर्बाद कर देने के दावे करने के बावजूद ईरान का और ज्यादा आक्रामक होते चले जाना, यूरोपीय एकता की मिसाल कहे जाने वाले नाटो का हालात से किनारा कर जाना, युद्ध में अपनी जमीन का दुरुपयोग ना होने देंगे संबंधी फ्रांस का दो टूक जवाब, सीज फायर की नौबत आन पड़ी तो एक ओर समझौते की बात करना फिर साथ में इस युद्ध में उलझे हुए देशों द्वारा एक दूसरे को खत्म करने की धमकी भी देते चले जाना, ऐसे मामले हैं जो उपरोक्त मामलों में विद्वता झाड़ रहे बड़बोले नेताओं की गंभीरता को कम करते हैं।

नतीजा यह है कि विश्व समझ ही नहीं पा रहा, परस्पर एक-दूसरे से जूझ रहे देश के नेताओं की कौन सी बात मानें और कौन सी नहीं। यानी असमय और हर वक्त मुंह चलाने की आदत ने शाब्दिक जुगाली करने के आदी नेताओं को अविश्वसनीय बना दिया है। हालत यह बन गए हैं कि एक देश का राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे को गंभीरता से लेना ही नहीं चाहता। हालत ये हो गई कि कल जिन देशों को शत्रु राष्ट्र समझा जा रहा था अब उन का साथ बैठना दोनों की मजबूरी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन जग हंसाई इस पर भी हो रही है कि नेता आपस में मिल रहे है। कैसे भी जंग समाप्त हो, इसके सच्चे-झूठे रास्ते भी तलाश रहे हैं। लेकिन इसे अविश्वास की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि स्वयं को विश्व का ठेकेदार समझने वाले ऐसे वार्ताकार साझा प्रेस कांफ्रेंस करने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहे । उससे भी ज्यादा अपमानजनक हालत यह बने कि एक राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे राष्ट्र की यात्रा पर जा रहा है तो यजमान राष्ट्राध्यक्ष द्वारा प्रोटोकॉल के तहत आगंतुक अति विशिष्ट जन की सम्मानजनक अगवानी तक नहीं की जा रही!

कुल मिलाकर अमेरिका ईरान का सीज फायर संकट में है। हॉर्मुज स्ट्रेट का मामला सिर दर्द बना हुआ है। रूस यूक्रेन पहले की तरह ही मोर्चे पर डटे हुए हैं। किसी की ताइवान तो किसी की क्यूबा पर गंदी नजर है। जिन्हें खुद पर गुरुर था अब वो खुद चलकर उन देशों की यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें कल तक शत्रु देश कहा जा रहा था। हद तो यह है कि शाब्दिक जुगलियों के लिए बदनाम हो चुके स्वयंभू विद्वानों को मध्यस्थता के लिए भी मिला तो पाकिस्तान। वह पाकिस्तान, जिसके बारे में कहा जाता है कि कल उसका अस्तित्व दुनिया के नक्शे पर रहेगा भी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। क्योंकि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को पाल पोसकर अपनी मौत का बंदोबस्त कर चुका है।

बड़ा आश्चर्य होता है यह सोचकर कि हमारे देश के अनेक विपक्षी नेता काफी चिल्लपों इस बात पर मचा रहे थे कि इतना सब हो रहा है, पर हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ नहीं बोल रहे। इस बात पर भी आपत्ति जताई गई कि बोलते भी हैं तो बेहद कम और अपने मतलब की बात करते हैं। अब जब पूरा वैश्विक परिदृश्य सामने है, तब ऐसे स्वयंभू ज्ञानियों को समझाना थोड़ा आसान प्रतीत होता है कि इस अशांति पूर्ण माहौल में अकारण मुंह चलाने वालों की कैसी दुर्दशा हो रही है? लेकिन एक हमारे प्रधानमंत्री र मोदी हैं, जो चुपचाप अपना कार्य करते चले जा रहे हैं।

बड़बोले नेताओं के देश ईंधन से वंचित होकर बर्बादी की कगार पर हैं। जहां थोड़ा बहुत ईंधन है भी तो दाम दुगने चौगुने करने की लाचारी है। लेकिन भारत एकमात्र ऐसा देश है जो भारी हिंसा और युद्ध कालीन विभीषिकाओं के बीच भी शांति का टापू बना हुआ है। हमारे यहां डीजल पेट्रोल और रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। कारण सिर्फ यही है कि हमारे नेता मोदी दूसरों के मामले में अपनी टांग फंसाने का शौक नहीं रखते। और ना ही उन्हें यह मंजूर है कि कोई हमारे मामलों में अपनी नाक घुसेड़े। वे अमेरिका और इजराइल से बात करते हैं तो ईरान सहित अन्य खाड़ी देश का भी सम्मान बनाए रखते हैं। जहां भी बात करते हैं तो नेशन फर्स्ट की सोच आगे रखकर ही बेहद सधे हुए कदम बढ़ाते हैं।

इसी परिपक्वता का परिणाम है कि प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में जब 5 देशों की यात्रा पर गए तो हमेशा की तरह इस बार भी वहां के राष्ट्राध्यक्षों ने उनका बढ़-चढ़कर सम्मान किया। यहां तक कि उन्हें सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत किए जाने की श्रृंखला लंबी होती रही। यही नहीं, उक्त देशों ने भारत के साथ आर्थिक, ऊर्जा, सुरक्षा और तकनीकी सहयोग के मामलों में बेहद प्रसन्नता के साथ अनुबंध किये।

इससे स्पष्ट हो जाता है कि वैश्विक स्तर पर भारत का दबदबा अन्य देशों की अपेक्षा ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में वर्तमान भारत की आवाज और उसकी अपेक्षाओं को गंभीरता से लिया जाता है। काश यह बात दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ हमारे देश के विपक्षी नेताओं की समझ में भी आ जाती!

(लेखक, मध्य प्रदेश योग आयोग के अध्यक्ष हैं।)

नक्सलवाद की ढहती दीवारें और मध्य प्रदेश की रणनीतिक जीत

कृष्णमोहन झा

भारत में नक्सलवाद लंबे समय तक आंतरिक सुरक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रहा है। जंगलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में फैला यह लाल आतंक केवल हिंसा तक सीमित नहीं था, बल्कि उसने विकास, लोकतंत्र और जनविश्वास को भी प्रभावित किया। मध्य प्रदेश का बालाघाट क्षेत्र भी वर्षों तक इस चुनौती से जूझता रहा। लेकिन अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। मध्य प्रदेश ने नक्सलवाद के खिलाफ जिस प्रभावी रणनीति और दृढ़ संकल्प के साथ अभियान चलाया है, वह आज पूरे देश के लिए एक मॉडल बनता दिखाई दे रहा है।

इस परिवर्तन के पीछे मुख्यमंत्री मोहन यादव का स्पष्ट नेतृत्व और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उनकी गंभीर सोच महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लगातार यह संदेश दिया कि प्रदेश में विकास और सुरक्षा साथ-साथ चलेंगे तथा नक्सलवाद जैसी चुनौती को किसी भी स्थिति में बढ़ने नहीं दिया जाएगा। उनके मार्गदर्शन में सुरक्षा एजेंसियों को बेहतर समन्वय, संसाधन और आधुनिक रणनीति के साथ कार्य करने का अवसर मिला।

इसी के साथ पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के नेतृत्व ने नक्सल विरोधी अभियान को नई दिशा दी। उन्होंने केवल ऑपरेशन आधारित दृष्टिकोण तक सीमित न रहकर इंटेलिजेंस नेटवर्क को मजबूत करने, सीमावर्ती राज्यों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने और हॉक फोर्स को अत्याधुनिक प्रशिक्षण एवं संसाधनों से सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया। परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश पुलिस ने नक्सली गतिविधियों पर लगातार प्रभावी प्रहार किए और उनके नेटवर्क को कमजोर करने में सफलता प्राप्त की। मध्य प्रदेश पुलिस की इसी उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने बस्तर में आयोजित 卐उद्घोष बस्तर卐 कार्यक्रम में डीजीपी कैलाश मकवाणा, वरिष्ठ अधिकारियों और हॉक फोर्स के जवानों को सम्मानित किया। यह सम्मान नक्सल उन्मूलन अभियान में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। पिछले दो वर्ष की उपलब्धियां बताती हैं कि नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। दिसंबर 2023 से दिसंबर 2024 के बीच सात बड़ी मुठभेड़ हुईं, जिनमें कई इनामी नक्सली मारे गए और बड़ी मात्रा में हथियार जब्त किए गए। वर्ष 2025 में यह अभियान और अधिक प्रभावी हुआ, जब दस बड़ी मुठभेड़ में दस माओवादी ढेर किए गए। यह किसी एक वर्ष में मारे गए माओवादियों की सर्वाधिक संख्या मानी जा रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब नक्सली संगठनों का मनोबल टूटता दिखाई दे रहा है। कई बड़े माओवादी कमांडरों ने आत्मसमर्पण किया है। यह केवल सुरक्षा बलों की सामरिक सफलता नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी नक्सलवाद की पराजय का संकेत है। हालांकि यह सफलता आसान नहीं थी। 1991 से लेकर अब तक नक्सलियों ने कई हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया, जिनमें अनेक पुलिसकर्मी शहीद हुए। लैंडमाइन ब्लास्ट, घात लगाकर किए गए हमले और राजनीतिक हत्याओं ने प्रदेश को लंबे समय तक प्रभावित किया। लेकिन सुरक्षा बलों के साहस और नेतृत्व की दृढ़ता ने परिस्थितियों को बदल दिया। आज मध्य प्रदेश में नक्सलवाद लगभग समाप्ति की ओर है। जिन क्षेत्रों में कभी भय और बारूद का वातावरण था, वहां अब विकास, शिक्षा और विश्वास की नई रोशनी दिखाई दे रही है। यह उपलब्धि केवल पुलिस या सरकार की सफलता नहीं, बल्कि लोकतंत्र और जनविश्वास की विजय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन, डीजीपी कैलाश मकवाणा के कुशल नेतृत्व और हॉक फोर्स के जवानों के अदम्य साहस ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति, रणनीतिक सोच और जमीनी कार्रवाई एक साथ हों, तो सबसे कठिन आंतरिक चुनौती पर भी विजय प्राप्त की जा सकती है।(लेखक, राजनीतिक विश्लेषक हैं।)

नशामुक्त भारत के लिए मोदी सरकार का राष्ट्रीय संकल्प

विक्रम उपाध्याय

मौज मस्ती से शुरू नशे की लत जिंदगी के साथ-साथ देश के लिए भी कितनी घातक हो सकती है, उसका अंदाज लगाना अब किसी के लिए कठिन नहीं रहा। हर दिन, अरबों डॉलर का अवैध हस्तांतरण कई देशों की अर्थव्यवस्था को खराब कर रहा है तो हर दिन सैकड़ों लोगों का जीवन भी अत्यधिक नशे के कारण असमय समाप्त हो रहा है। नशे का कारोबार हर महाद्वीप में फैल चुका है और इसके कारण पूरे विश्व में हिंसा बढ़ रही है। आज नशे के जिन पदार्थों का सेवन किया जा रहा है और जिन भौगोलिक क्षेत्रों में किया जा रहा है, उसे सुन और जानकार होश उड़ रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। ड्रग कारोबार के लिए बदनाम गोल्डन ट्रायंगल के नाम से कुख्यात म्यांमार, लाओस और थाईलैंड से हो रही आपूर्ति और ड्रग उत्पादन के कारण मशहूर गोल्डन क्रिसेंट, जिनमें अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान के साथ भौगोलिक नजदीकियां भारत में मादक पदार्थों की उपलब्धता को बढ़ा रही है और युवाओं में नशीली दवाओं के सेवन की समस्या गंभीर बना रही है।

एक अनुमान के अनुसार, लगभग पांच करोड़ भारतीय इस समय सिंथेटिक ड्रग्स जैसे कैनाबिस और ओपिओइड्स का उपयोग कर रहे हैं। जाहिर है पहले इस पर लगाम लगाने और फिर इसे खत्म करने के लिए राष्ट्रीय संकल्प की जरूरत है। अच्छी बात यह है कि मोदी सरकार ने नक्सलवाद की तरह ड्रग्स और नारकोटिक्स मुक्त भारत का भी संकल्प लिया है। गृहमंत्री ने 2047 तक भारत को नारकोटिक्स मुक्त करने का वादा किया है। लोग कह सकते हैं कि 20 साल का समय किसने देखा है। एक व्यक्ति की उम्र में 20 साल एक लंबी अवधि हो सकती है, लेकिन एक राष्ट्र के लिए 20 साल का समय सामने से दिख सकता है। जिस गंभीर स्थिति में यह समस्या है, उसे खत्म करने में समय तो लगेगा। खासकर तब जब लोग नशे को जीवन शैली का हिस्सा बना रहे हैं।

नई पीढ़ी पहले शौक से फिर आदत से और फिर बाद में लत के कारण इसकी चपेट में आसानी से आ जा रही है। अब एक आकड़ा डराने वाला है। कैंब्रिज प्रिजम ने भारत के 1630 युवाओं का एक सर्वे किया है। उससे पता चलता है कि उसमें से 26.4 प्रतिशत लोग तंबाकू का सेवन और 26.1 प्रतिशत शराब का सेवन कर रहे थे। गांजा का सेवन करने वाले 9.5 प्रतिशत लोग थे और 22.2 प्रतिशत लोग एक से अधिके नशीले पदार्थों के आदी हो चुके थे। इंजेक्शन से ली जाने वाली दवाओं का भी इस्तेमाल शामिल था।

सबसे ज्यादा डराने बात यह निकलकर सामने आई कि 29.5 प्रतिशत लोग नशे के लिए उन पदार्थों का सेवन करने वाले में शामिल थे जिन्हें सिन्थेटिक ड्रग्स की श्रेणी में रखा जाता है। इन नशीले पदार्थों की शुरुआत या तो इंटरनेट के जरिए मिली जानकारी के साथ शुरू हुईं या फिर पार्टियों में किसी ने उसकी शुरुआत कर दी। ज्यादातर को उनके दोस्तों ने नशे से परिचित कराया। पार्टी फिर कैंपस और अंतत: घर की दहलीज तक पहुंचे नशे के कारोबार के संजाल को तोड़ना, फिर आपूर्ति को बाधित करना, इसके कारोबार से जुड़े लोगों को कानून के कठघरे में खड़ा करना, इसके सिंडीकेट को ध्वस्त करना, बाहर बैठकर इस नशे के धंधे को संचालित करने वाले को भारत लाकर उनको सजा दिलाना, किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं हो सकता। लेकिन भारत की सरकार और खास कर गृहमंत्री अमित शाह इसके लिए दृढ़ प्रतिज्ञ नजर आ रहे हैं। देश को नक्सलमुक्त करने की उनकी उपलब्धि विश्वास दिलाने में उनकी बड़ी बात सिद्ध हो सकती है।

मप्र हॉकी अकादमी के 6 खिलाड़ी भारतीय अंडर-18 टीम में चयनित, जापान एशिया कप में दिखाएंगे दम

एजेंसी

भोपाल। जापान में होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी भोपाल के 6 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। खिलाड़ियों के चयन से प्रदेश में उत्साह का माहौल है। जनसम्पर्क अधिकारी दुर्गेश रायकवार ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम में मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी के गोलकीपर आयुष रजक, डिफेंडर अंश बहुआ एवं करण गौतम, मिडफील्डर अवि माणिकपुरी तथा फॉरवर्ड खिलाड़ी सिद्धार्थ बेन और गाजी खान को शामिल किया गया है। ये खिलाड़ी जापान में आयोजित एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।उल्लेखनीय है कि इन खिलाड़ियों का चयन भोपाल में आयोजित भारत-ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 अंतरराष्ट्रीय हॉकी श्रृंखला के दौरान हुए राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर और चयन प्रक्रिया के आधार पर किया गया। गत 15 से 20 मई तक आयोजित इस श्रृंखला में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था। इसी प्रदर्शन के आधार पर उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली। भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम जापान में आयोजित एशिया कप प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर मध्य प्रदेश के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

अंडर-23 बालक एवं बालिका कुश्ती चयन ट्रायल्स में 20 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

मुरादाबाद। अंडर-23 बालक एवं बालिका कुश्ती चयन ट्रायल्स का आयोजन नेताजी सुभाषचंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया गया। ट्रायल्स में जिले के कई अखाड़ों और प्रशिक्षण केंद्रों से आए करीब 20 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयन ट्रायल्स का आयोजन जिला कुश्ती संघ के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के निर्देश पर किया गया। ट्रायल्स के माध्यम से चयनित खिलाड़ी 31 मई से 2 जून तक भदोही के ज्ञानपुर में आयोजित होने वाली अंडर-23 स्टेट कुश्ती चैंपियनशिप में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। ट्रायल्स में बालक फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन और बालिका वर्ग के विभिन्न भार वर्गों में मुकाबले कराए गए। खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। ट्रायल्स से पहले खिलाड़ियों की वजन प्रक्रिया पूरी कराई गई तथा दस्तावेजों की जांच भी की गई। जिला कुश्ती संघ के सचिव पवन कुमार सिसोदिया ने बताया कि चयनित पहलवान राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले के लिए पदक जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों को मेहनत के साथ तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह, कुश्ती कोच गोविंद कुमार यादव, वीर सिंह, करतार सिंह आदि मौजूद रहे।

एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी के 'सुपर कोच' बने एबी डीविलियर्स

नई दिल्ली। एआई आधारित स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म काबुनी ने वैश्विक क्रिकेट प्रशिक्षण को नई दिशा देने की ओर बड़ा कदम उठाते हुए दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज पूर्व कप्तान एबी डीविलियर्स को अपना नया 'सुपर कोच' नियुक्त किया है। एबी डीविलियर्स के जुड़ने के साथ काबुनी ने युवा खिलाड़ियों तक विश्वस्तरीय क्रिकेट कोचिंग पहुंचाने के अपने मिशन को और मजबूत किया है। वह पहले से जुड़े सुपर कोच सौरव गांगुली और शेन वॉटसन के साथ मिलकर अब अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को आधुनिक तकनीक और अंतरराष्ट्रीय अनुभव का संयोजन प्रदान करेंगे। कंपनी के अनुसार, यह साझेदारी एआई तकनीक और एबी डी विलियर्स की क्रिकेट विशेषज्ञता को एक मंच पर लाकर खिलाड़ियों को डेटा आधारित विश्लेषण और वास्तविक खेल अनुभव का लाभ देगी। भारत में 12 से 16 वर्ष के युवा खिलाड़ियों के लिए जून से एक राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा, जिसमें चयनित प्रतिभाओं को एबी डी विलियर्स की टीम के साथ जुड़ने का अवसर मिलेगा। काबुनी का एआई प्लेटफॉर्म खिलाड़ियों की मूवमेंट और बॉल ट्रैकिंग को रियल टाइम में रिकॉर्ड कर उसे आसान और उपयोगी फीडबैक में बदलता है। कंपनी का '1फीसदी इम्प्रूवमेंट' मॉडल छोटे-छोटे तकनीकी सुधारों पर केंद्रित है, जिससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन में लगातार प्रगति संभव हो सके।

पीतलनगरी अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट : सात विकेट से जीती आरएसडी एकेडमी की

मुरादाबाद। पीतलनगरी अंडर-14 क्रिकेट टूर्नामेंट में आरपीए क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में आरएसडी क्रिकेट एकेडमी ने डीपीजीएस क्रिकेट एकेडमी को सात विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मुकाबले में अनुकल्प झा ने गेंद और बल्ले से दमदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए अनुकल्प झा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि आज टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डीपीजीएस क्रिकेट एकेडमी ने निर्धारित 30 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 222 रन बनाए। टीम की ओर से निश्चल ने शानदार 90 रन की पारी खेली, जबकि वसीम ने नाबाद 62 रन बनाए। अजहरउद्दीन ने 14 रन का योगदान दिया। आरएसडी क्रिकेट एकेडमी की ओर से अनुकल्प झा ने किफायती गेंदबाजी करते हुए दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरएसडी क्रिकेट एकेडमी की शुरुआत शानदार रही। टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 28.5 ओवर में तीन विकेट खोकर 225 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अनुकल्प झा ने नाबाद 66 रन की पारी खेली। विशाल कुमार ने 51 और रिषभ देव ने 45 रन बनाए।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए नॉर्वे की टीम घोषित, एर्लिंग हालांड और मार्टिन ओडेगार्ड शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के लिए नॉर्वे ने अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान प्रीमियर लीग चैंपियन क्लब आर्सेनल के स्टार मिडफील्डर मार्टिन ओडेगार्ड संभालेंगे, जबकि मैनचेस्टर सिटी के धाकड़ स्ट्राइकर एर्लिंग हालांड भी टीम का हिस्सा हैं। सबसे ज्यादा चर्चा युवा गोलकीपर सैंडर टैंगविक के चयन को लेकर रही। हैम्बर्ग एसवी के इस अनकैप्ड गोलकीपर को नॉर्वे की टीम में अंतिम स्थान मिला। 23 वर्षीय टैंगविक पहली बार राष्ट्रीय टीम में चुने गए हैं। गोलकीपर चयन को लेकर काफी समय से अटकलें चल रही थीं। एसके ब्रान के गोलकीपर माथियास डिंगलैंड चोटिल हो गए थे, जबकि

फीफा ने बोदो/ग्लिम्ट के गोलकीपर निकिता हाइकिन की राष्ट्रीयता बदलने की मांग खारिज कर दी थी। इसके बाद टैंगविक को टीम में जगह मिली।

नॉर्वे को विश्व कप 2026 में ग्रुप-ढ्ढ में रखा गया है। इस ग्रुप में फ्रांस, सेनेगल और इराक जैसी मजबूत टीमें भी शामिल हैं। इसे टूर्नामेंट का 'ग्रुप ऑफ डेथ' माना जा रहा है।

नॉर्वे की विश्व कप 2026 टीम

गोलकीपर:

ओरजान हास्कजोल्ड नाइलैंड, एगिल सेल्विक, सैंडर टैंगविक

डिफेंडर:

जूलियन रायर्सन, मार्कस होल्मग्रेन पेडरसन, डेविड मोलर वोल्फ, फ्रेडरिक ब्योर्कन, क्रिस्टोफर आजेर, टॉरब्योर्न हेग्गेम, लियो स्कीरी ओस्टिगार्ड, सॉन्ड्रे लांगास, हेनरिक फाल्चेनर

मिडफील्डर:

मार्टिन ओडेगार्ड, सैंडर बर्गे, फ्रेडरिक ऑरसनेस, पैट्रिक बर्ग, क्रिस्टियन थोर्स्टवेड्ट, मॉर्टन थोर्सबी, थेलो आसगार्ड

फॉरवर्ड:

एर्लिंग हालांड, अलेक्जेंडर सोरलोथ, यॉर्गेन स्ट्रैंड लार्सन, एंटोनियो नूसा, ऑस्कर बॉब, आंद्रेयास शेल्डेरुप, जेन्स पेटर हाउगे।

धीमी ओवर गति पर ऋतुराज गायकवाड़ पर 24 लाख रुपये का जुर्माना, सीएसके के अन्य खिलाड़ियों पर भी कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स पर आईपीएल 2026 के 66वें मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कार्रवाई की गई है। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत ऋतुराज गायकवाड़ पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह इस सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स का दूसरा स्लो ओवर रेट अपराध था। इससे पहले टीम पर मैच नंबर 18 में भी इसी कारण कार्रवाई हुई थी। नियमों के अनुसार दूसरी बार दोषी पाए जाने पर कप्तान पर बड़ा जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा प्लेइंग इलेवन के बाकी खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर भी जुर्माना लगाया

गया है। सभी खिलाड़ियों को उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत या 6 लाख रुपये – जो भी कम हो – बतौर जुर्माना देना होगा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल से अल-नस्त्र बना सऊदी प्रो लीग चैंपियन

एजेंसी

नई दिल्ली। अल-नस्त्र ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दमाक को 4-1 से हराकर सऊदी प्रो लीग 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। राजधानी रियाद के अल-अव्वल पार्क में खेले गए मुकाबले में स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। यह अल-नस्त्र का 2018-19 सीजन के बाद पहला लीग खिताब है। साथ ही रोनाल्डो ने भी सऊदी क्लब के साथ अपना पहला बड़ा खिताब जीत लिया।

सादियो माने ने दिलाई शुरुआती बढ़त

मैच के 33वें मिनट में सादियो माने ने जोआओ फेलिक्स के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर अल-नस्त्र को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में फेलिक्स और माने लगातार दमाक की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाते रहे।

दमाक ने की वापसी की कोशिश

दूसरे हाफ में दमाक ने वापसी की कोशिश की और 58वें मिनट में मोरले सिल?ला ने पेनाल्टी पर गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि अल-नस्त्र ने तुरंत जवाब दिया।

किंग्सले कोमान ने शानदार मूव

बनाते हुए टीम को फिर बढ़त दिलाई। इसके बाद रोनाल्डो ने मैच पूरी तरह अपने नाम कर लिया।

रोनाल्डो का शानदार डबल

रोनाल्डो का पहला गोल फ्री-किक पर आया, जहां उन्होंने बेहद कठिन कोण से गेंद को सीधे जाल में पहुंचा दिया। इसके बाद 81वें मिनट में कोमान के शानदार पास पर रोनाल्डो ने दूसरा गोल दागकर जीत और खिताब दोनों पक्के कर दिए।

41 वर्षीय रोनाल्डो पूरे मैच में शानदार लय में दिखे और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

अल-नस्त्र का मैच पर पूरा दबदबा- अल-नस्त्र ने मुकाबले में 62 प्रतिशत से ज्यादा बॉल पजेशन अपने नाम रखा।

टीम ने कुल 13 शॉट लगाए, जिनमें आठ निशाने पर रहे। दूसरी ओर दमाक सिर्फ तीन प्रयास ही कर सका। इस हार के साथ दमाक का रेलीगेशन भी तय हो गया, जबकि अल-नस्त्र के लिए यह जीत लंबे इंतजार के बाद बड़ी राहत लेकर आई।

सीएसके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर जताया गर्व

एजेंसी

अहमदाबाद।इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का अभियान गुजरात टाइटंस के खिलाफ 89 रन की हार के साथ समाप्त हो गया। हालांकि टीम प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गई, लेकिन कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने पूरे सीजन में टीम के संघर्ष और युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व जताया।

मैच के बाद गायकवाड़ ने कहा, 'सीजन की शुरुआत हमारे लिए काफी मुश्किल रही, खासकर लगातार तीन हार के बाद। लेकिन उसके बाद जब हमें सही संयोजन मिला तो टीम ने अच्छा क्रिकेट खेलना शुरू किया। दुर्भाग्य से फिर चोटों ने हमें परेशान किया। जेमी ओवरटन और रामकृष्ण घोष जैसे ऑलराउंडरों की कमी से टीम संतुलन बिगड़ गया। आखिरी तीन मैचों में हमें कभी बल्लेबाज कम तो कभी गेंदबाज कम के साथ उतरना पड़ा। 'उन्होंने कहा कि टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है और युवा खिलाड़ियों को अनुभव देने का काम इस सीजन में सफलतापूर्वक हुआ। 'बहुत लोग इस बात को नहीं मानते कि हम एक युवा टीम हैं और ट्रांजिशन फेज में हैं। हमारे 8 से 10 खिलाड़ी ऐसे थे जिन्होंने 20 से भी कम आईपीएल मैच खेले थे। ऐसे में छह जीत हासिल करना और कुछ शानदार मुकाबले जीतना गर्व की बात है। '

गायकवाड़ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दो मुकाबलों को टर्निंग पॉइंट बताया। 'हैदराबाद में हम 10 ओवर में 84 रन नहीं बना सके, जबकि हमारे पास सात विकेट बाकी थे। चेन्नई में भी हम उन्हें 180 रन तक रोक सकते थे। कुछ मुकाबलों में हम जीत के बेहद करीब पहुंचे लेकिन सफल नहीं हो पाए। '

सीएसके कप्तान ने युवा खिलाड़ियों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस सीजन में कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे खिलाड़ियों ने खुद को साबित किया।

'कार्तिक ने काफी प्रभावित किया। उनमें आगे बढ़ने की बड़ी क्षमता है। उर्विल ने पहली बार पूरा सीजन खेला और ऐसे में दबाव होना स्वाभाविक है। लेकिन यह अनुभव भविष्य में उनके बहुत काम आएगा। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर गायकवाड़ ने कहा, 'अगले साल ही पता चलेगा। आप और मैं दोनों को अगले सीजन में ही जानकारी मिलेगी। इस सीजन में उनकी कमी जरूर महसूस हुई। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो सिर्फ क्रीज पर रहकर ही विपक्षी टीम पर दबाव बना सकते हैं और मैच का रुख बदल सकते हैं। '

सीएसके के लिए यह सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि युवा खिलाड़ियों का यह अनुभव भविष्य में फ्रेंचाइजी को मजबूत बनाएगा।

हॉकी इंडिया ने अंडर-18 महिला एशिया कप 2026 के लिए भारतीय टीम घोषित की, स्वीटी कुजूर को कप्तानी

एजेंसी

भोपाल। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को जापान में आयोजित होने वाले महिला अंडर-18 एशिया कप काकामिगाहारा 2026 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 29 मई से 6 जून 2026 तक खेला जाएगा। कोच रानी के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने भोपाल में एक महीने तक राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में तैयारी की। इस दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, टीम संयोजन और रणनीतिक खेल पर विशेष ध्यान दिया गया। टीम की कप्तानी स्वीटी कुजूर करेंगी।

भारतीय टीम ने टूर्नामेंट की तैयारियों के तहत भोपाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज भी खेली, जिसमें अंतिम मुकाबले में जीत हासिल कर टीम ने आत्मविश्वास बढ़ाया। भारत को पूल-ए में दक्षिण कोरिया, मलेशिया और सिंगापुर के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 मई को मलेशिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद 31 मई को दक्षिण कोरिया और 2 जून को

सिंगापुर से मुकाबला होगा। दोनों पूलों की शीर्ष दो टीमें 5 जून को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जबकि फाइनल 6 जून को खेला जाएगा।

टीम की घोषणा के बाद कोच रानी ने कहा, 'यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव हासिल करने और दबाव वाले मुकाबलों को समझने का शानदार अवसर है। पिछले कुछ हफ्तों में हमने फिटनेस, रणनीति और टीम समन्वय पर काफी मेहनत की है। टीम देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर उत्साहित है और हमारा लक्ष्य निडर हॉकी खेलते हुए खिताब के लिए मजबूत चुनौती पेश करना होगा। '

भारतीय महिला अंडर-18 टीम

गोलकीपर:

महक परिहार, खिली कुमारी

डिफेंडर:

सुगन सांगा, नीलम टोपनो, रुबीना बक्सला, किरण एक्का, सुलोचनी

मिडफील्डर:

श्रुति कुमारी, दीया, स्नेहा दावड़े, रश्मीन कौर, नाम्मी गीताश्री, पुष्पा मांझी

फॉरवर्ड:

नौशीन नाज़, स्वीटी कुजूर (कप्तान), प्रियंका मिंज, संदीपा कुमारी, नैन्सी सरोहा

भारत के मुकाबलों का कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार)

30 मई 2026: भारत बनाम मलेशिया - सुबह 5:30 बजे

31 मई 2026: भारत बनाम दक्षिण कोरिया - सुबह 5:30 बजे

2 जून 2026: भारत बनाम सिंगापुर - सुबह 9:30 बजे

पूल की स्थिति

पूल-एः भारत, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, सिंगापुर।

पूल-बीः चीन, जापान, चीनी ताइपे, बांग्लादेश।

गुजरात टाइटंस की धमाकेदार जीत, चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ रेस से बाहर

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लीग स्टेज के अंतिम मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रनों से करारी शिकस्त दी। इस हार के साथ चेन्नई सुपर किंग्स का प्लेऑफ में पहुंचने का सपना भी टूट गया और टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यह रन अंतर के लिहाज से चेन्नई की आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी हार मानी जा रही है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 229 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए शीर्ष क्रम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और बड़े स्कोर की नींव रखी। गुजरात की ओर से साई सुदर्शन ने सबसे प्रभावशाली पारी खेलते हुए 53 गेंदों में 84 रन बनाए। उनकी पारी में 7 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। कप्तान शुभमन गिल ने 37 गेंदों में 64 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, जबकि जोस बटलर ने 27 गेंदों में 57 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। गेंदबाजी में भी गुजरात का दबदबा देखने को मिला। मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा और राशिद खान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी बल्लेबाजी क्रम को लगातार दबाव में रखा और तीन-तीन विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही और पूरी टीम 13.4 ओवर में मात्र 140 रन पर ऑलआउट हो गई। शिवम दुबे ने 17 गेंदों में 47 रनों की आक्रामक पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई खास सहयोग नहीं मिला। चेन्नई के अन्य बल्लेबाज पूरी तरह फ्लॉप रहे और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। कप्तान रुतुराज गायकवाड़, डेवाल्ड ब्रेविस और अन्य प्रमुख बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में असफल रहे।

सुदर्शन और गिल के बीच ऑरेंज कैप की जंग तेज, पर्पल कैप में भुवनेश्वर-रबाडा संयुक्त रूप से शीर्ष पर

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गुजरात टाइटंस ने अहमदाबाद में चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस और रोमांचक हो गई है। बल्लेबाजी में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन और शुभमन गिल शीर्ष पर छाए हुए हैं, जबकि गेंदबाजी में कगिसो रबाडा ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार की बराबरी कर ली है।

ऑरेंज कैप की दौड़ में साई सुदर्शन नंबर-1

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने चेन्नई के खिलाफ 37 गेंदों पर 64 रन की पारी खेलकर पहले ऑरेंज कैप अपने नाम की। मुकाबले से पहले उनके 552 रन थे, जबकि उनके ओपनिंग पार्टनर साई सुदर्शन 554 रन के साथ उनसे आगे थे। हालांकि, साई सुदर्शन ने 53 गेंदों पर 84 रन की शानदार पारी खेलते हुए फिर से ऑरेंज कैप हासिल कर ली। अब उनके नाम 638 रन हो गए हैं, जबकि शुभमन गिल 616 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

ऑरेंज कैप तालिका में तीसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी हैं, जिन्होंने 579 रन बनाए हैं। इसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श 563 रन और सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 555 रन के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं। विराट कोहली भी इस रेस में बने हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज 542 रन के साथ छठे स्थान पर हैं।

पर्पल कैप में भुवनेश्वर कुमार और कगिसो रबाडा बराबरी पर

गेंदबाजी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार लंबे समय से पर्पल कैप की रेस में आगे चल रहे थे, लेकिन गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा ने चेन्नई के खिलाफ 3 विकेट लेकर उनकी बराबरी कर ली। अब दोनों गेंदबाजों के नाम 24-24 विकेट हैं। हालांकि, बेहतर इकॉनमी रेट (7.70) होने के कारण पर्पल कैप अभी भी भुवनेश्वर कुमार के पास है, जबकि रबाडा की इकॉनमी 9.18 है। चेन्नई के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके। इसके साथ ही उनके इस सीजन में 17 विकेट हो गए हैं और वह सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज ने साई सुदर्शन का विकेट लेकर सीजन में अपने विकेटों की संख्या 21 तक पहुंचाई और वह तीसरे स्थान पर आ गए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के राशिद खान ने भी 3 विकेट लेकर कुल 19 विकेट पूरे कर लिए और चौथे स्थान पर पहुंच गए। राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और कोलकाता नाइट राइडर्स के कार्तिक त्यागी 18-18 विकेट के साथ उनके पीछे बने हुए हैं।

आईपीएल 2026 से बाहर होने पर बोले सीएसके बॉलिंग कोच एरिक सिमंस, 'हम खुद को एक यूनिट के रूप में बेहतर समझकर जा रहे हैं'

एजेंसी

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में टीम के निराशाजनक अभियान के बावजूद कहा कि इस सीजन ने टीम को अपनी ताकत और कमजोरियों को बेहतर ढंग से समझने का मौका दिया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार के साथ चेन्नई का अभियान समाप्त हो गया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 13.4 ओवर में 140 रन पर सिमट गई और प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। मैच के बाद सिमंस ने कहा, 'हर खिलाड़ी इस सीजन से कुछ सीखकर जाएगा। बतौर गेंदबाजी कोच मैं सभी खिलाड़ियों के लिए रिपोर्ट तैयार करता हूं, ताकि वे अगले नौ महीनों में अपनी कमजोरियों पर काम करके और बेहतर खिलाड़ी बनकर लौटें। जैसे हमने अंशुल कांबोज को पिछले सीजन के बाद बेहतर होकर लौटते देखा। ' उन्होंने कहा कि इस सीजन ने टीम को एक इकाई के रूप में खुद को समझने में मदद की है। सिमंस ने कहा, 'अब हम खुद को एक यूनिट के रूप में पहले से बेहतर समझते हैं। हमें पता चला है कि कौन खिलाड़ी क्या कर सकता है और क्या नहीं। कार्तिक ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन किया और हमने उसकी क्षमता को करीब से देखा। अनुभवी खिलाड़ियों के बारे में हमें पहले से जानकारी थी, लेकिन इस टूर्नामेंट ने टीम संतुलन और खेलने के तरीके को समझने में काफी मदद की है। ' उन्होंने मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सीजन भविष्य की रणनीति तय करने में उपयोगी साबित होगा। सिमंस ने टीम के खराब प्रदर्शन के पीछे चोटों को भी अहम कारण बताया। उन्होंने कहा कि जेमी ओवरटन की चोट से टीम का संतुलन बिगड़ गया। उन्होंने कहा, 'जब टीम लय पकड़ रही थी, तभी जेमी ओवरटन चोटिल हो गए। वह हमारी गेंदबाजी इकाई के लिए बेहद महत्वपूर्ण थे और बल्लेबाजी में भी उपयोगी योगदान देते थे। उनकी कमी टीम को काफी महसूस हुई। ' चेन्नई सुपर किंग्स पूरे सीजन में निरंतर प्रदर्शन करने में नाकाम रही और अंक तालिका में नीचे रहकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

एशियन लीजेंड्स लीग सीजन-2 का आगाज 2 जून से होगा, केन्या करेगा मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियन लीजेंड्स लीग के दूसरे सीजन का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। टूर्नामेंट का आयोजन 2 जून से केन्या के नैरोबी स्थित जिमखाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा। पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद इस बार लीग को और बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें दिग्गज खिलाड़ियों, कड़ी प्रतिस्पर्धा और वैश्विक क्रिकेट प्रशंसकों का खास आकर्षण देखने को मिलेगा। टी-20 प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 19 मुकाबले होंगे। इसमें एशिया के कई पूर्व और संन्यास ले चुके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हिस्सा लेंगे। क्रिकेट प्रशंसकों के बीच यह टूर्नामेंट तेजी से लोकप्रिय हुआ है और इसे 'रिटायर्ड प्लेयर्स एशिया कप' के नाम से भी जाना जा रहा है। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण 6 जून को होने वाला भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा, जिसमें इंडियन रॉयल्स और पाकिस्तान पैंथर्स आमने-सामने होंगी। इस हाई-वोल्टेज मैच को लेकर दुनियाभर के क्रिकेट फैंस में खास उत्साह है। एशियन लीजेंड्स लीग सीजन-2 में देश आधारित फ्रेंचाइजी मॉडल अपनाया गया है। इस बार इंडियन रॉयल्स, पाकिस्तान पैंथर्स, श्रीलंकन लायंस, अफगानिस्तान पठान्स, बांग्लादेश टाइगर्स और रेस्ट ऑफ एशियन स्टार्स जैसी टीमें हिस्सा लेंगी।

देशभर में 24 मई को 8 हजार स्थानों पर होगा 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का 75वां विशेष संस्करण

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात में 2030 में होने वाले 100वें कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का 75वां विशेष संस्करण 24 मई को देशभर में आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के तहत 8 हजार से अधिक स्थानों पर साइकिल रैली और फिटनेस कार्यक्रम आयोजित होंगे। मुख्य आयोजन कॉमनवेल्थ गेम्स के मेजबान शहर गुजरात में अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर होगा, जहां केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद रहेंगे। 'ए न्यू आइकॉन फॉर ए फिट्टर इंडिया - पेडलिंग टू 2030' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में हजारों साइकिल चालक, खिलाड़ी, युवा स्वयंसेवक और फिटनेस प्रेमी हिस्सा लेंगे। मनसुख मंडाविया ने कहा कि 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की

मेजबानी भारत के लिए गर्व का विषय है और यह आयोजन देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को फिटनेस और खेलों से जोड़ना है। कार्यक्रम में अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ कई अंतरराष्ट्रीय और कॉमनवेल्थ पदक विजेता खिलाड़ी भी भाग लेंगे। इनमें हॉकी खिलाड़ी रजनी एतिमार्पू, गुरजीत कौर और सोनिका टांडी, निशानेबाज अंकुर मित्तल और अंजुम मौदगिल तथा बैडमिंटन खिलाड़ी तृप्ति मुर्गुंडे शामिल हैं। देशभर के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में भी कॉमनवेल्थ गेम्स थीम पर आधारित साइकिल रैलियां आयोजित की जाएंगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्रों, नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और खेलो इंडिया केंद्रों में विशेष कार्यक्रम होंगे। कई पूर्व ओलंपियन और कॉमनवेल्थ चैंपियन भी आम लोगों के साथ इस अभियान में शामिल होंगे। केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे गुवाहाटी में कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी, जबकि पूर्व पहलवान बबीता फोगाट धर्मशाला और पूर्व हॉकी खिलाड़ी सबा अंजुम मुंबई में मौजूद रहेंगी। अहमदाबाद सहित देशभर के साई केंद्रों में विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें पिछले 12 वर्षों में भारत की खेल उपलब्धियों, खेलो इंडिया मिशन और खेल अवसंरचना में हुए विकास को प्रदर्शित किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 17 दिसंबर, 2024 को शुरू किया गया 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान देश के सबसे बड़े फिटनेस अभियानों में शामिल हो चुका है। अब तक इसके 74 संस्करणों में 3.07 लाख से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं और 7 करोड़ से अधिक लोग इससे जुड़ चुके हैं।

रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 को ट्रायम्फ की नई बोनविले 400 चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिटिश मोटरसाइकिल निर्माता Triumph Motorcycles भारतीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी में जुटी हुई है। कंपनी अब ऐसे ग्राहकों को निशाना बना रही है जो रेट्रो डिजाइन, दमदार इंजन और प्रीमियम ब्रांडिंग चाहते हैं, लेकिन बजट भी संतुलित रखना चाहते हैं। इसी दिशा में कंपनी की नई बोनविले 400 मोटरसाइकिल के स्पाई फोटो सामने आए हैं, जिन्होंने बाइक प्रेमियों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। नई बाइक को हाल ही में टेस्टिंग के दौरान देखा गया, जहां इसका रेट्रो रोडस्टर डिजाइन साफ नजर आया। वायर स्पोक व्हील्स, ब्लैक पीशूटर एग्जॉस्ट, क्लासिक फोर्क गैटर्स और गोल इंस्ट्रूमेंट कंसोल जैसी कई ऐसी खूबियां दिखाई दीं, जो इसे सीधे तौर पर पुरानी क्लासिक मोटरसाइकिलों की याद दिलाती हैं। माना जा रहा है कि यह मोटरसाइकिल भारतीय बाजार में सीधे Royal Enfield Classic 350 को चुनौती दे सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार नई Triumph Bonneville 400 को 2026 के आखिर या फिर 2027 की शुरुआत में लॉन्च किया जा सकता है। कंपनी की मौजूदा 400 सीसी मोटरसाइकिल रेंज को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि इसकी कीमत भी प्रतिस्पर्धी रखी जाएगी, ताकि यह सीधे क्लासिक 350 से मुकाबला कर सके। हालांकि भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड की पकड़ बेहद मजबूत है और क्लासिक 350 लंबे समय से इस सेगमेंट की सबसे लोकप्रिय मोटरसाइकिल बनी हुई है।

मारुति अगले माह कार के दाम में 30 हजार रुपये तक की करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने कार की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में अगले माह 30 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी नियामकीय सूचना में बताया कि उसने अपने पूरे मॉडल पोर्टफोलियो में वाहनों की कीमतों में 30 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने कहा कि बढ़ती मुद्रास्फीति और लागत में बढ़ोतरी के कारण जून से लागू होंगी। कंपनी ने कहा कि अलग-अलग मॉडल्स के हिसाब से कीमतों में बदलाव अलग अलग रहेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय बाजार में मारुति की पॉपुलर कारों में डिजायर, अर्टिगा, स्विफ्ट, ब्रेजा, बलेनो और फ्रॉन्क्स के साथ ही विक्टोरिस, ग्रैंड विटारा, ऑल्टो के10, इनविक्टो समेत अन्य मॉडल शामिल हैं।

सेल के प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान ने गुड़गांव के एमडीआई से किया समझौता

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों के लिए गुड़गांव स्थित मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई) के साथ समझौता किया है। ये समझौता सेल के प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान और एमडीआई (गुड़गांव) के बीच हुआ है।इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सेल के प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआई) ने अधिकारियों के कौशल विकास और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाने के लिए मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य वैश्विक सर्वोत्तम तरीकों के अनुरूप संगठन की क्षमता को मजबूत करना है। मंत्रालय के मुताबिक इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर बृहस्पतिवार को एमटीआई (सेल) के कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन-प्रशिक्षण एवं विकास) संजय धर और एमडीआई गुड़गांव की डीन (उद्योग समन्वय) सुमिता राय ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सेल के निदेशक (कार्मिक) के. के. सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि इस साझेदारी के तहत विशेष रूप से तैयार नेतृत्व कार्यक्रम, रणनीति एवं नवाचार-आधारित शिक्षण, व्यावहारिक प्रशिक्षण, विदेशी प्रशिक्षण कार्यक्रम, संयुक्त अनुसंधान, परामर्श तथा अधिकारियों के लिए उपयुक्त 'केस स्टडी' के माध्यम से शैक्षणिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव को जोड़ा जाएगा।

एलआईसी का चौथी तिमाही का मुनाफा 23 फीसदी बढ़कर 23,420 करोड़ रुपये हुआ

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 की (जनवरी-मार्च) चौथी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च, 2026 को समाप्त चौथी तिमाही में एलआईसी का मुनाफा 23 फीसदी बढ़कर 23,420 करोड़ रुपये रहा है। बीमा कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 19,013 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,53,592 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में 2,22,805 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी पहले साल की प्रीमियम आय बढ़कर 12,970 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 11,069 करोड़ रुपये रही थी। एलआईसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में नवीकरण प्रीमियम से आय बढ़कर 81,933 करोड़ रुपये हो गई।

'विकसित भारत' की यात्रा तेज करने के लिए उद्योग और सरकार के बीच सहयोग का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली।वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'विकसित भारत' की यात्रा को गति देने के लिए उद्योग और सरकार के बीच सहयोग का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने वैश्विक अनिश्चितताओं को सुधार और सुदृढ़ विकास के अवसरों में बदलने का आग्रह किया। नई दिल्ली में एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के 'इंडिया बिजनेस रिफॉर्म समिट' को संबोधित करते हुए गोयल ने 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' (व्यापार करने में आसानी) को बढ़ावा देने, भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने और 'विकसित भारत' की ओर देश की यात्रा को तेज करने के लिए उद्योग और सरकार के बीच और अधिक गहरे सहयोग का आह्वान किया। गोयल ने कहा कि मौजूदा वैश्विक स्थिति और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को भारत के लिए एक अवसर के रूप में

देखा जाना चाहिए, ताकि वह अपनी व्यावसायिक प्रक्रियाओं को मज़बूत कर सके, तेजी से सुधार कर सके, अधिक लचीलापन ला सके और अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ बना सके। उन्होंने भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने और 'विकसित भारत 2047' की ओर देश की यात्रा को तेज़ करने के लिए उद्योग और सरकार के बीच गहरे सहयोग का आह्वान किया। व्यापारियों से सतर्क रहने और घबराहट से बचने का आग्रह करते हुए मंत्री ने कहा कि भारत ने कोविड-19 जैसी अप्रत्याशित चुनौतियों पर सफलतापूर्वक काबू पाया है। उन्होंने अधिक स्मार्ट और कुशल व्यावसायिक तरीकों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, जिसमें कचरा कम करना, उत्पादकता बढ़ाना और ऊर्जा दक्षता के उपायों को अपनाना शामिल है। गोयल ने बताया कि देश में लगभग 1,800 ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि ये जीसीसी लगभग 20 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां और लगभग 1 करोड़ अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भारत को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में तेज़ी से पहचान रही हैं, जिसके पास वैश्विक ऑपरेशन्स को सहयोग देने में सक्षम युवा और प्रतिभाशाली मानवशक्ति मौजूद है। मंत्री ने निर्यातकों से आगे यह भी आग्रह किया कि वे नए बाजारों की तलाश करके, सैंपलिंग और ट्रायल ऑर्डर करके, और समझौतों के औपचारिक रूप से लागू होने से पहले ही वैश्विक जुड़ाव बढ़ाकर, आने वाले एफटीए का सक्रिय रूप से लाभ उठाएं।

हीरो, टीवीएस या फिर ओला में से कौनसा स्कूटर खरीदें

एजेंसी

नई दिल्ली। आपने इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने का मन बना लिया है तो यह खबर आपके लिए है। अच्छे और तेज स्कूटरों की कीमत ज्यादा होती है तो ऐसा नहीं है। ईवी बाजार में कई कंपनियों के पास ऐसे स्कूटर मौजूद हैं को आपको 60,000 के बजट में आसानी से मिल जाएंगे। इन स्कूटरों की स्पीड अच्छी होती है जिसकी वजह से आप इन्हें शहर के ट्रैफिक में भी आराम में चला सकते हैं।

विदा वीएक्स2 गो:

हीरो कंपनी के विडा ब्रांड के स्कूटरों को लोग बहुत पसंद कर रहे हैं। BaaS प्लान की वजह स स्कूटर काफी सस्ते हो गए हैं। इस प्लान के साथ विदा वीएक्स2 गो मॉडल सिर्फ 44,990 (एक्स-शोरूम) में मिल जाएगा। यह स्कूटर एक बार फुल चार्ज होने पर 92 किमी तक चल सकता है और इसकी टॉप स्पीड 70द्मद्वश्चद्ध है।

बाउंस इनफिनिटी ई1:

बाउंस इनफिनिटी ई1 भी बहुत अच्छा विकल्प है। इस स्कूटर की एक्स-शोरूम कीमत करीब 55,000 रुपए है। इस एक बार फुल चार्ज करने पर यह 70 किमी तक की रेंज दे सकती है तो वहीं इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की टॉप स्पीड 65द्मद्वश्चद्ध तक जा सकती है।

जेलिओ ग्रेसी आई: भारतीय ऑटो बाजार में कम बजट वाले लोगों के लिए जेलिओ ग्रेसी आई एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। 54,000 रुपए की एक्स-शोरूम कीमत वाली यह स्कूटर एक बार फुल चार्ज करने पर आराम से 70किमी तक की रेंज दे सकती है। वहीं इसके टॉप-स्पीड की बात करें तो यह 65kmph तक जा सकती है। यह TVS का सबसे सस्ता इलेक्ट्रिक स्कूटर है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के खनन क्षेत्र में व्यापक सुधार : जी किशन रेड्डी

एजेंसी

नई दिल्ली/जयपुर। केंद्रीय खान एवं कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खनन क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है। रेड्डी यहां मुख्यमंत्री निवास पर सीएम भजनलाल शर्मा के साथ कोयला विभाग की बैठक को संबोधित कर रहे थे। जी. किशन रेड्डी ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में लिखा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के साथ मिलकर राज्य में कोयला और खनन परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने तथा उनकी दक्षता, निरंतरता और राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक विकास में उनके योगदान को और अधिक बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श करने हेतु एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों एवं कारोबार सुगमता से महत्वपूर्ण (क्रिटिकल) खनिजों के क्षेत्र में अन्वेषण, नीलामी और उत्पादन प्रक्रियाओं में गति आई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में महत्वपूर्ण खनिजों का

बड़ा भंडार उपलब्ध है। रक्षा, ऊर्जा, कृषि, सौर, वाहन सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण खनिजों की बढ़ती मांग को पूरा करने का सामर्थ्य राजस्थान में है। केंद्रीय खान एवं कोयला ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा की सक्रिय सोच से राजस्थान खनन क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक दोहन, निवेश अनुकूल वातावरण तथा पारदर्शी नीतियों के कारण राजस्थान खनन के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार आपसी समन्वय से खनन से जुड़े सभी मुद्दों का समयबद्ध समाधान करें जिससे निवेश एवं उत्पादन में वृद्धि हो।

तेल कंपनियों ने ईंधन और एलपीजी की कमी को खारिज किया, कहा-अफवाहों पर ध्यान न दें

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों एचपीसीएल, आईओसीएल और बीपीसीएल ने ईंधन की कमी की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि देश में पेट्रोल,डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पर्याप्त है और जनता के जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही विश्वास करने का आग्रह किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स'वपर, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (इंडियनऑयल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने कहा कि पर्याप्त स्टॉक उपलब्धता और नियमित पुनःपूर्ति के साथ ईंधन वितरण नेटवर्क सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। एचपीसीएल ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर ईंधन और एलपीजी की कमी और प्रतिबंधों की अफवाहों के बावजूद राजस्थान, कर्नाटक और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। कंपनी ने कहा कि जयपुर सहित राजस्थान के सभी खुदरा आउटलेट सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और उनमें ईंधन की निरंतर आपूर्ति और पर्याप्त भंडार मौजूद है। एचपीसीएल के अनुसार, राजस्थान में 1 मई से 20 मई के बीच पेट्रोल की आपूर्ति ऐतिहासिक बिक्री की तुलना में 19 प्रतिशत बढ़ी, जबकि इसी अवधि में डीजल की आपूर्ति में 24.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी ने उत्तराखंड के अगस्तमुनि और गुप्तकाशी क्षेत्रों में ईंधन की कमी की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि आस-पास के रिटेल आउटलेट्स पर फिलहाल पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और ईंधन की बिक्री पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। इसके अतिरिक्त, एचपीसीएल ने कहा कि कालाबाजारी और अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई के साथ कर्नाटक भर में एलपीजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। कंपनी ने बताया कि कर्नाटक सरकार ने 19 मई, 2026 तक 1,874 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए हैं और अनियमित गतिविधियों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। इसी तरह, इंडियनऑयल ने कहा कि देश भर में उसके खुदरा दुकानों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

कंपनी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इंडियनऑयल का नेटवर्क देश भर में पर्याप्त पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। जिम्मेदारी से गाड़ी चलाएं, शांति से ईंधन भरें और केवल सत्यापित जानकारी पर ही भरोसा करें। ' इस बीच, बीपीसीएल ने स्पष्ट किया कि उत्तराखंड के नैनीताल जिले के कालाढुंगी स्थित उसके रिटेल आउटलेट्स पर ईंधन की उपलब्धता सामान्य है और मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। कंपनी ने कहा कि आउटलेट पर मौजूद ईंधन का स्टॉक लगभग चार दिनों की नियमित बिक्री आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

मुख्य खाद्य पदार्थों को बड़े पैमाने पर अपनाने में तेजी लाने के लिए उद्योग जगत ने विचार-विमर्श किया

एजेंसी

नई दिल्ली। सीआईआई फूड एंड एग्रीकल्चर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीआईआई फेस) के सहयोग से इंडिया हैबिटेट सेंटर में हुए सम्मेलन में मुख्य खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन को बढ़ाने और छिपी भूख से मुकाबला करने के लिए उद्योग जगत ने विचार-विमर्श किया।

मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन इंडिया के कंट्री प्रोग्राम मैनेजर अभिषेक शुक्ला ने बताया कि मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन ने सीआईआई फेस के सहयोग से सरकार, उद्योग और पोषण क्षेत्र के दिग्गजों को फोर्टिफाइड मुख्य खाद्य पदार्थों को अपनाने में तेजी लाने के लिए एक मंच पर एकत्रित किया। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन खाद्य तेल, चावल और गेहूं के आटे की श्रेणियों में फोर्टिफाइड मुख्य खाद्य पदार्थों को बड़े पैमाने पर अपनाने में तेजी लाने के लिए उद्योग-व्यापी सहयोग को बढ़ावा देने और एक व्यावहारिक रोडमैप तैयार करने के लिए एक प्रमुख राष्ट्रीय मंच के रूप में उभरा। सम्मेलन को संबोधित करते हुए टेक्नोसर्व के सीनियर प्रैक्टिस लीडर एवं मिलर्स

फॉर न्यूट्रिशन एशिया के प्रोग्राम लीडर मोनोजित इंद्रा ने कहा कि भारत ने मुख्य खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन बड़े स्तर पर छिपी भूख से निपटने के लिए खाद्य उद्योग पारिस्थितिकी तंत्र में गहरे सहयोग की आवश्यकता होगी। इस सम्मेलन ने फोर्टिफाइड मुख्य खाद्य पदार्थों को अपनाने में तेजी लाने और पोषण प्रभाव के लिए टिकाऊ मार्ग तैयार करने हेतु उद्योग नेताओं, विकास भागीदारों और नीति-निर्माताओं के बीच मजबूत समन्वय स्थापित करने में मदद की है। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का एक प्रमुख परिणाम यह रहा कि सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से यह स्वीकार किया कि खाद्य फोर्टिफिकेशन को एक नीति-आधारित हस्तक्षेप से आगे बढ़कर नवाचार, उपभोक्ता सहभागिता और मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र साझेदारियों द्वारा समर्थित मुख्यधारा के उद्योग आंदोलन के रूप में विकसित होना चाहिए। हितधारकों ने मिलर्स के लिए उन्नत तकनीकी समर्थन की आवश्यकता, फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों की बेहतर उपलब्धता, गुणवत्ता मानकों पर अधिक उद्योग समन्वय, तथा फोर्टिफाइड मुख्य खाद्य पदार्थों के प्रति उपभोक्ता विश्वास निर्माण हेतु सहयोगात्मक प्रयासों पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निदेशक (विज्ञान एवं मानक) डॉ. राकेश कुमार, सीआईआई राष्ट्रीय पोषण समिति के पूर्व सह-अध्यक्ष सिराज ए. चौधरी, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस के अनुसंधान एवं विकास प्रमुख विद्याशंकर सत्यकुमार, मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल्स के प्रबंध निदेशक जेटी चारी तथा द अक्षय पात्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतारसभा प्रभु सहित वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधियों और उद्योग नेताओं ने भाग लिया।

दो लाख की डाउन पेमेंट के ह्यूंडई वरना के बेस माडल को ले जाएं घर

एजेंसी

नई दिल्ली। अगर आप ह्यूंडई की वरना को लेने का मन बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। दो लाख रुपये की डाउन पेमेंट करने के बाद गाड़ी को घर लाना चाहते हैं, तो हर महीने कितने रुपये की ईएमआई देनी होगी। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं। ह्यूंडई की ओर से वरना के बेस वेरिएंट के तौर पर एचएक्स 2 को ऑफर किया जाता है। इस गाड़ी के बेस वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 10.98 लाख रुपए है। इस गाड़ी को अगर दिल्ली में खरीदा जाता है तो करीब 1.10 लाख रुपये आरटीओ और करीब 53 हजार रुपये इंश्योरेंस के देने होंगे। इसके अलावा टीसीएस चार्ज के तौर पर करीब 11 हजार रुपये देने होंगे। जिसके बाद ह्यूंडई वरना आन रोड प्राइस करीब 12.72 लाख रुपये के आस-पास हो जाती है। अगर आप इस गाड़ी के बेस वेरिएंट को खरीदते हैं, तो बैंक की ओर से एक्स शोरूम कीमत पर ही फाइनेंस किया जाएगा। ऐसे में दो लाख रुपये की डाउन पमेंट करने के बाद आपको करीब 10.72 लाख रुपये को बैंक से फाइनेंस करवाना होगा। बैंक की ओर से अगर आपको नौ फीसदी ब्याज के साथ सात साल के लिए 10.72 लाख रुपये दिए जाते हैं, तो हर महीने 17254 रुपये हर महीने की EMI आपको अगले सात साल के लिए देनी होगी।

अगर आप नौ फीसदी की ब्याज दर के साथ सात साल के लिए 10.72 लाख रुपये का बैंक से Car Loan लेते हैं, तो आपको सात साल तक 17254 रुपये की EMI हर महीने देनी होगी। ऐसे में सात साल में आप Hyundai Verna के लिए करीब 3.76 लाख रुपये बतौर ब्याज देंगे। जिसके बाद आपकी कार की कुल कीमत एक्स शोरूम, ऑन रोड और ब्याज मिलाकर करीब 16.49 लाख रुपये हो जाएगी। Hyundai की ओर से Verna को Mid Size Sedan Car के तौर पर ऑफर किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी के '7 संकल्प' देश के भविष्य को सुरक्षित रखने की ओर सार्थक कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय व्यापारी नेता सम्मेलन 2026 के दूसरे दिन देशभर से आए व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिए गए '7 रणनीतिक कदमों' को भारत की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती की दिशा में दूरदर्शी एवं भविष्य उन्मुख पहल बताया। भारत मंडपम में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की नेता स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 7 कदम केवल राष्ट्रीय सुरक्षा का रोडमैप नहीं, बल्कि भारत को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाने का व्यापक दृष्टिकोण हैं। विकसित भारत के निर्माण में महिला सशक्तिकरण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ईरानी ने कहा कि व्यापार

जगत को महिलाओं के नेतृत्व, उद्यमिता एवं आर्थिक गीदारी को और अधिक बढ़ावा देना चाहिए। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि आज का व्यापारी केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सक्रिय भागीदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सातों संकल्प व्यापार जगत को आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय हितों के प्रति अधिक जागरूक एवं प्रतिबद्ध बनाएंगे। व्यापारिक समुदाय हर परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सरकार के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। खंडेलवाल ने बताया कि सम्मेलन में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री मोदी के विजन की सराहना की गई तथा देश के व्यापारिक समुदाय के बीच इन सातों संकल्पों को व्यापक रूप से लागू करने का संकल्प लिया गया। व्यापारी नेता कहा कि 'इंडिया फर्स्ट' का मंत्र आज देश के प्रत्येक व्यापारी का भी संकल्प बन चुका है। देश के 27 राज्यों से आए प्रमुख व्यापारिक नेता इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। सम्मेलन की अध्यक्षता कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने की। इस सम्मेलन में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों, भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक चुनौतियों तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े बदलते परिदृश्य को देखते हुए प्रधानमंत्री द्वारा घोषित सात कदम अत्यंत समयोचित एवं आवश्यक हैं। व्यापारी नेताओं ने कहा कि इन कदमों का उद्देश्य भारत को आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर, रणनीतिक रूप से मजबूत, आपूर्ति श्रृंखला के स्तर पर सक्षम तथा किसी भी वैश्विक संकट अथवा आक्रमण की स्थिति में पूर्णतः तैयार बनाना है।

टाटा की टियागो होने जा रही अपडेट, नए लुक और फीचर्स के साथ मिलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली।टाटा की गाड़ियों के चाहने वालों के लिए अच्छी खबर है। टाटा मोटर्स की सबसे सस्ती चार पहिया गाड़ी अपडेट कर दी गई है। जिसमें टाटा टियागो और टाटा टियागो ईवी आई है। कंपनी ने कंफर्म किया है कि दोनों फेसलिफ्ट हैचबैक को 28 मई 2026 को लॉन्च किया जाएगा। नई टियागो और टियागो ईवी को पहले से ज्यादा बोल्ड और मॉडर्न डिजाइन के साथ पेश किया गया है। नई टियागो फेसलिफ्ट में पूरी तरह रीडिजाइन फ्रंट फेसिया दिया गया है।

दोनों मॉडल्स में नए हेडलाइट्स, आईब्रो-स्टाइल एलईडी डीआरएल और नया बंपर डिजाइन देखने को मिलता है। ढ्ढष्टश्व वर्जन में ब्लैक ग्रिल दी गई है, जबकि ईवी वर्जन में बॉडी-कलर्ड ब्लैंक्ड-ऑफ ग्रिल मिलती है। इसके अलावा नए एलॉय व्हील्स, ब्लैक व्हील आर्चेज और अपडेटेड एलईडी टेललैंप भी दिए गए हैं। टाटा ने अपनी नई टियागो और टियागो ईवी के एक्सटीरियर को पूरी तरह से नया और प्रीमियम रूप दिया है। इसका डिजाइन काफी हद तक कंपनी की प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज से प्रेरित नजर आता है। इसके फ्रंट लुक को अधिक बोल्ड बनाया गया है, जिसमें अब आइब्रो-शेप वाले नए एलईडी ष्ठक्रन्ροह्य और शार्प हेडलाइट्स दी गई हैं। जहां पेट्रोल वर्जन में अल्ट्रोज जैसी ब्लैक ग्रिल का इस्तेमाल किया गया है, वहीं ईवी वर्जन में बॉडी-कलर की बंद (ब्लैंक्ड-ऑफ) ग्रिल इसे अलग पहचान देती है। फ्रंट बंपर भी पूरी तरह नया है, जिसमें पेट्रोल मॉडल को पिक्सल-शेप फॉग लैंप्स दिए गए हैं जो इलेक्ट्रिक वर्जन में नहीं मिलेंगे। कार के साइड प्रोफाइल में 15-इंच के नए अलॉय व्हील्स और टियागो ह्र्रून्न जैसा रफ-एंड-टफ लुक देने के लिए ब्लैक व्हील आर्चेस जोड़े गए हैं। वहीं, पिछले हिस्से में भी बड़ा बदलाव करते हुए नई कनेक्टेड टेललाइट्स दी गई हैं। इनमें आकर्षक वर्टिकल एलईडी स्ट्रिप्स का इस्तेमाल किया गया है।

एयरबीएनबी पर ठहरने के साथ कार और एआई आधारित यात्रा सुविधा भी उपलब्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। होमस्टे के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म एयरबीएनबी पर ठहरने की बुकिंग के साथ कार और एआई आधारित यात्रा सुविधाएं, छोटे और बुटिक होटल उपलब्ध होंगे। एयरबीएनबी ने अपनी सेवाओं का विस्तार करते हुए यात्रा को अधिक आसान और व्यक्तिगत बनाने के लिए कई नए फीचर पेश किए हैं। एयरबीएनबी ने अपने प्लेटफॉर्म पर एआई आधारित नए फीचर जोड़े हैं, जो लोगों को ठहरने के लिए सही जगह चुनने, यात्रा की योजना बनाने और जरूरत पड़ने पर तुरंत सहायता पाने में मदद करेंगे। अब यात्री एक ही ऐप के जरिए ठहरने की बुकिंग के साथ स्थानीय अनुभव, निजी सेवाएं और यात्रा से जुड़ी सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।कंपनी ऐसे नए अनुभव भी ला रही है, जो सिर्फ एयरबीएनबी पर उपलब्ध होंगे। इनमें फीफा विश्व कप 2026 से जुड़े खास कार्यक्रम और गतिविधियां भी शामिल हैं। इसके अलावा अब छोटे एवं बुटिक होटल भी एयरबीएनबी पर उपलब्ध होंगे। कंपनी ने किराना डिलीवरी, एयरपोर्ट पिकअप, सामान रखने की सुविधा और किराये की कार जैसी नई सेवाओं की भी शुरुआत की है। इसके अलावा अब यात्री स्थानीय विशेषज्ञों के साथ शहर घूमने, खास खानपान अनुभव लेने और फीफा विश्व कप 2026 से जुड़े विशेष कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे।

भारत और अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में स्वाभाविक साझेदार के रूप में काम कर रहे हैं - पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका स्वाभाविक साझेदार के रूप में काम कर रहे हैं और दोनों देशों के बीच तकनीक, रक्षा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, क्वांटम कंप्यूटिंग और मेडिकल डिवाइसेज़ जैसे क्षेत्रों में मजबूत सहयोग बन रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों की सबसे बड़ी ताकत आपसी विश्वास और साझा आर्थिक हित हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के वार्षिक लीडरशिप समिट को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि पिछले छह महीनों में अमेरिकी कंपनियों द्वारा भारत में 60 अरब डॉलर से अधिक निवेश की प्रतिबद्धताएं सामने आई हैं, जिसमें अमेजन और गूगल जैसी कंपनियों के बड़े डेटा सेंटर निवेश भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की कंपनियों को भरोसेमंद माहौल, विशाल बाजार, कुशल प्रतिभा और तेजी से बढ़ते अवसर उपलब्ध करा रहा है। पीयूष गोयल ने कहा कि अमेरिका एक भरोसेमंद साझेदार की तलाश में है और भारत ने हमेशा बौद्धिक संपदा अधिकारों का सम्मान करते हुए समय पर उच्च गुणवत्ता वाला उत्पादन देकर अपनी विश्वसनीयता साबित की है। उन्होंने कहा कि भारत के पास कुशल युवाओं की बड़ी ताकत है और 140 करोड़ लोगों का विशाल बाजार अमेरिकी नवाचारों को नई गति देता है।

उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे की पूरक हैं और दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा बहुत कम है। यही वजह है कि यह साझेदारी भविष्य के लिए मजबूत और भरोसेमंद सप्लाई चेन तैयार करने में अहम भूमिका निभा सकती है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सरकार उद्योगों के विकास के लिए क्षेत्र-आधारित मॉडल पर काम कर रही है। 'भव्य' योजना के तहत देश भर में 100 नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। इन पार्कों में उद्योगों के

साथ-साथ कर्मचारियों के लिए आवास, मनोरंजन और सामाजिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि समग्र औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार हो सके। उन्होंने कहा कि बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, कम लॉजिस्टिक लागत और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स की वजह से निवेश, मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात को नई मजबूती मिल रही है। गोयल ने भरोसा जताया कि भारत अगले 25 वर्षों तक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार एमएसएमई सेक्टर को मजबूत करने के लिए तकनीकी उन्नयन और स्किल डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन के जरिए छोटे और मध्यम उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के सर्टिफिकेशन दिलाने में मदद की जाएगी, ताकि वे वैश्विक सप्लाई चेन का हिस्सा बन सकें। गोयल ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया संकट जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की विकास दर का अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत किया गया है। उन्होंने कहा कि यह भारत की मजबूत आर्थिक क्षमता, निर्णायक नेतृत्व और दुनिया में भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ती पहचान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत को सम्मान और उम्मीद के साथ देख रही है और यही विश्वास देशवासियों को मजबूत भारत के निर्माण के लिए प्रेरित कर रहा है।पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अब केवल विदेशी कंपनियों के उत्पाद असेंबल करने वाला देश नहीं रह गया है, बल्कि तेजी से डिजाइन, नवाचार और बौद्धिक संपदा निर्माण का वैश्विक केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि जो तकनीकी समाधान विकसित देशों में अरबों डॉलर की लागत से तैयार होते हैं, उन्हें भारत में बहुत कम लागत पर विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद वैश्विक कंपनियां अब अपने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर भारत में स्थापित करने को प्राथमिकता दे रही हैं। वर्तमान में भारत में 2,117 ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर संचालित हो रहे हैं।

ट्रंप ने पोलैंड में पांच हजार अतिरिक्त अमेरिकी सैनिक भेजने का किया ऐलान

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनकी सरकार पोलैंड में अतिरिक्त पांच हजार अमेरिकी सैनिक भेजेगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोकी की सफल जीत और उनके साथ हमारे अच्छे रिश्तों को देखते हुए, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका पोलैंड में अतिरिक्त 5,000 सैनिक भेजेगा। मुझे राष्ट्रपति का समर्थन करने पर गर्व है।' समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह टिप्पणी पेंटागन की ओर से पोलैंड में 4,000 से अधिक यूएस-आधारित सैनिकों की नियोजित तैनाती को अचानक टालने के एक सप्ताह बाद आई है। पिछले साल पोलैंड में कैरोल नावरोकी राष्ट्रपति चुने गए थे। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समय यूरोप में करीब 80,000 अमेरिकी सैनिक मौजूद हैं, जिनमें से लगभग 10,000 पोलैंड में तैनात हैं। इससे पहले पेंटागन ने यह भी घोषणा की थी कि अगले 6 से 12 महीनों में करीब 5,000 अमेरिकी सैनिकों को जर्मनी से वापस बुलाया जाएगा।

अमेरिका में चीन से जुड़ी कंपनियों पर सख्त प्रतिबंध लगाने के लिए नया विधेयक पेश

वाशिंगटन । अमेरिका में दो वरिष्ठ रिपब्लिकन सांसदों ने चीन के सैन्य-औद्योगिक तंत्र से जुड़े चीनी संस्थानों पर प्रतिबंधों में तेजी लाने के उद्देश्य से एक विधेयक पेश किया है। उनका कहना है कि अमेरिका अब चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) से जुड़े खतरों के खिलाफ कार्रवाई में और देरी नहीं कर सकता। सीनेटर रिक स्कॉट और प्रतिनिधि एलिस स्टेफानिक ने 'सीसीपी सैंक्शंस शॉट क्लॉक एक्ट' पेश किया। इस विधेयक के तहत अमेरिकी ट्रेजरी विभाग को उन चीनी व्यक्तियों या संस्थाओं के खिलाफ एक साल के भीतर कार्रवाई करनी जरूरी होगा, जिन्हें अमेरिकी सरकार ने सुरक्षा के लिए खतरा माना है। इस विधेयक का मकसद वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम में संशोधन करना है। इसके तहत एक साल की 'शॉट क्लॉक' (समय सीमा) तय की जाएगी, जिसके भीतर पहचानी गई संस्थाओं को ट्रेजरी विभाग की 'नॉन-एसडीएन चीनी सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स कंपनियों की सूची' में शामिल करना होगा। वर्तमान कानून के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को हर दो साल में एक रिपोर्ट पेश करनी होती है, जिसमें उन चीनी नागरिकों या संस्थाओं की पहचान की जाती है जो अमेरिकी सरकारी सूचियों में शामिल हैं और जिन्हें एनएस-सीएमआईसी सूची में डाला जा सकता है। हालांकि, ट्रेजरी विभाग पर इस सूची को अपडेट करने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा लागू नहीं है। वहीं, प्रस्तावित कानून इस व्यवस्था को बदल देगा।

बढ़ते ट्रैफिक जाम के चलते नेपाल में नए सार्वजनिक वाहनों के पंजीकरण पर रोक

काठमांडू। नेपाल के यातायात व्यवस्था विभाग ने देशभर में सभी सार्वजनिक वाहनों के नए पंजीकरण पर रोक लगा दी है। विभाग ने बढ़ते ट्रैफिक जाम, वायु प्रदूषण और सड़कों पर बढ़ते दबाव को कारण बताते हुए अगली सूचना जारी होने तक सार्वजनिक वाहनों के पंजीकरण पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। विभाग के निदेशक मणि राम भुसाल की ओर से जारी परिपत्र सातों प्रांतों के संबंधित मंत्रालयों के माध्यम से यातायात व्यवस्था मंत्रालयों–और देशभर की सभी स्थानीय निकायों को भेजा गया है। जारी पत्र में केवल ईंधन से चलने वाले ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिक (विद्युतीय) सार्वजनिक वाहनों के नए पंजीकरण पर भी स्पष्ट रूप से रोक लगाने का निर्देश दिया गया है। विभाग ने सार्वजनिक वाहनों के नए पंजीकरण पर रोक लगाने के पीछे कई कारण बताए हैं। परिपत्र के अनुसार सार्वजनिक यातायात का वैज्ञानिक प्रबंधन न हो पाना, अत्यधिक वायु प्रदूषण बढ़ना, वाहनों का दबाव और ट्रैफिक जाम के कारण आवागमन में गंभीर कठिनाइयां उत्पन्न होना तथा ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण सार्वजनिक यातायात संचालन में आ रही समस्याएं इस निर्णय के मुख्य कारण हैं। विभाग ने बताया कि यह निर्णय वाहन तथा यातायात व्यवस्था ऐन, की धारा 24 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए लिया गया है। उक्त कानून में यह व्यवस्था है ।

दंडवत यात्रा: भारत के वैद्यनाथधाम से मनोज 198 दिन में पहुंचे नेपाल, पशुपतिनाथ मंदिर के करेंगे दर्शन

काठमांडू। बिहार के निवासी 54 वर्षीय मनोज कुमार यादव झारखंड के वैद्यनाथधाम (बाबाधाम) से लगभग 600 किलोमीटर की दूरी 6 महीने 18 दिन में पूरी कर अपनी मंजिल के पास पहुंच गए हैं। दंडवत यात्रा का संकल्प लेकर घर से निकले यादव काफी खुश नजर आ रहे हैं। वह पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन कर इस धार्मिक यात्रा का समापन करेंगे। उन्होंने आज काठमांडू के जडीबुटी क्षेत्र में प्रवेश किया। यादव ने बताया कि

उन्होंने बेहद धीमी लेकिन लगातार गति से यहां तक का सफर तय किया। वह प्रतिदिन लगभग 3 किलोमीटर दंडवत चले। कठिन मौसम, शारीरिक थकान और रास्ते की विभिन्न चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपना सफर जारी रखा। यादव ने बताया कि वह शनिवार को काठमांडू के गौशाला क्षेत्र में विश्राम करेंगे। रविवार सुबह अपनी यात्रा का औपचारिक समापन पशुपतिनाथ मंदिर में करेंगे।

ट्रंप ने क्यूबा को बताया ‘नाकाम देश’, कहा- अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए है खतरा

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा पर दबाव और बढ़ा दिया है। दोनों नेताओं ने क्यूबा को एक ‘नाकाम देश’ और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया। फ्लोरिडा और व्हाइट हाउस में अलग-अलग बोलते हुए, दोनों अधिकारियों ने हवाना के प्रति और सख्त रवैये का संकेत दिया, हालांकि उन्होंने बातचीत के जरिए समाधान की संभावना भी खुली रखी। ओवल ऑफिस में नियमों में ढील से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा के लोगों और क्यूबा मूल के अमेरिकियों को अपने देश से फिर से जुड़ने में मदद करना चाहता है। ट्रंप ने कहा, ‘क्यूबा एक नाकाम देश है। हर कोई यह जानता है। वहां बिजली नहीं है। लोगों के पास पैसे नहीं हैं। उनके पास खाने तक की कमी है। ‘उन्होंने आगे कहा कि हम उनकी मदद करेंगे। सबसे पहले तो मैं इंसानियत के नाते उनकी मदद करना चाहता हूं। ट्रंप ने कहा कि फ्लोरिडा में रहने वाले क्यूबा मूल के अमेरिकी क्यूबा में निवेश करना और देश को फिर से खड़ा करना चाहते हैं। वे अपने देश वापस जाना चाहते हैं। वे अपने देश की मदद करना चाहते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि वे यहां भी रहें, लेकिन वे अपने देश की मदद करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि पिछले 50-60 वर्षों से दूसरे राष्ट्रपति इस बारे में सोचते रहे, लेकिन लगता है कि इसे मैं ही कर पाऊंगा। इससे कुछ घंटे पहले, रुबियो ने मियामी होमस्टेड एयरपोर्ट पर भारत रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए और कड़ा बयान दिया। रुबियो ने कहा कि क्यूबा लगातार अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा रहा है। हमारे तट से सिर्फ 90 मील दूर एक नाकाम देश होना, जिसे हमारे विरोधियों के दोस्त चला रहे हों, यह भी बड़ा खतरा है। उन्होंने दावा किया कि क्यूबा में रूस और चीन की खुफिया मौजूदगी है और वहां दोनों देशों के हथियार सिस्टम भी पहुंचे हैं।

रुबियो ने हवाना पर लैटिन अमेरिका में अस्थिरता फैलाने वाले समूहों का समर्थन करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों में क्यूबा सबसे आगे रहा है।

व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने भी प्रशासन की चिंताओं को दोहराया। उन्होंने चेतावनी दी कि क्यूबा अमेरिका के दुश्मनों के लिए एक ऐसा ठिकाना बन सकता है जो अमेरिकी सीमा के बेहद करीब हो।

मिलर ने कहा कि? अमेरिका का कोई दुश्मन क्यूबा में हमला करने वाले ड्रोन भेज सकता है, जो वहां से बहुत आसानी से अमेरिकी इलाके तक पहुंच सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि? हम अपने इतने करीब दुश्मनों, विरोधियों या आतंकवादियों का ठिकाना नहीं बनने दे सकते।

रुबियो ने कहा कि अमेरिका क्यूबा को मानवीय सहायता देने के लिए तैयार है, लेकिन यह मदद सिर्फ स्वतंत्र समूहों के जरिए दी जाएगी, न कि क्यूबा की सेना से जुड़े संगठनों के माध्यम से।

ईरान के पास परमाणु हथियार का मतलब मध्य पूर्व में बड़ा युद्ध, नहीं दे सकते इजाजत : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान को लेकर ताजा बयान जारी कया, जिसमें चेतावनी और बातचीत के जरिए चीजों को सुलझाना, दोनों शामिल रहे। उनकी तरफ से स्पष्ट कहा गया कि तेहरान को परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं मिल सकती। ये बयान ऐसे समय आए हैं, जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ रहा है, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल सप्लाई को लेकर चिंता बनी हुई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत जारी है। रुबियो ने भारत रवाना होने से पहले मियामी होमस्टेड एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए ईरान को चेतावनी दी कि अगर उसने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टोल या शुल्क लगाने की कोशिश की, तो यह स्वीकार नहीं किया जाएगा।रुबियो ने कहा, ‘हम हमेशा से कहते आए हैं कि स्ट्रेट में टोल सिस्टम बिल्कुल मंजूर नहीं होगा। ‘

उन्होंने बताया कि अमेरिका, बहरीन की ओर से प्रायोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक प्रस्ताव का समर्थन कर रहा है, जो ऐसे किसी कदम का विरोध करता है। रुबियो ने कहा कि हमारे प्रस्ताव को सुरक्षा परिषद के इतिहास में सबसे ज्यादा सह-प्रायोजकों का समर्थन मिला है। सौ से भी ज्यादा देशों ने इसका समर्थन किया है। रुबियो बोले कि दुनिया में कोई भी टोल सिस्टम के पक्ष में नहीं है। ऐसा नहीं हो सकता, यह बिल्कुल अस्वीकार्य होगा।

ईरानी सांसद की धमकी, ‘अगर हमला हुआ तो काट देंगे समुद्र के नीचे मौजूद इंटरनेट केबल’

एजेंसी

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच अस्थायी संघर्षविराम जारी है। लंबे समय से समुद्र के नीचे से गुजरने वाले केबल्स के भविष्य को लेकर दुनिया के कई देश सशंकित है। इसकी एक वजह आईआरजीसी की वो धमकी भी है जो उसने अप्रैल में दी थी।

एक ईरानी सांसद महमूद नबावियन ने भी ऐसा ही कुछ दावा किया। उन्होंने कहा कि अगर ईरान के खिलाफ होर्मुज के खिलाफ कुछ किया गया तो हम समुद्र के नीचे से गुजरने वाली केबल काट देंगे। ईरान ने अभी तक समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स को नुकसान नहीं पहुंचाया है, लेकिन उसने ऐसी कार्रवाई की चेतावनी जरूर दी थी। यह चेतावनी खास तौर पर फारस की खाड़ी और होर्मुज से गुजरने वाली फाइबर-ऑप्टिक केबल्स को लेकर दी गई। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने अमेरिका और पश्चिमी देशों के बढ़ते दबाव और पाबंदियों के जवाब में एक बयान जारी किया था। स्पष्ट कहा था कि अगर उस पर दबाव बढ़ाया गया या नौसैनिक नाकेबंदी जैसी स्थिति बनी, तो वह रणनीतिक जवाब दे सकता है। होर्मुज से गुजरने वाली कई महत्वपूर्ण सबमरीन केबल्स जैसे फैल्कन और एएई-1 खाड़ी देशों की इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं के लिए बेहद अहम हैं। कतर, बहरीन और कुवैत जैसे देश इन पर काफी हद तक निर्भर हैं।

वहीं नबावियन ने एक्स पर चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा, ‘ईरान समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबलों को काट सकता है, जिससे वैश्विक इंटरनेट सेवाएं, डिजिटल अर्थव्यवस्था और बैंकिंग प्रणाली कई वर्षों तक प्रभावित हो सकती है। ‘ नबावियन के अनुसार, अमेरिका-इजरायल होर्मुज में अगर ईरान की संप्रभुता के खिलाफ कोई भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई करेंगे तो उससे वैश्विक संकट आना तय है।उन्होंने कहा, ‘ईरान की संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ‘

बता दें, अगर इन केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो मध्य-पूर्व के कई हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं, डिजिटल नेटवर्क और बैंकिंग सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इसका वैश्विक असर सीमित रहेगा और दुनिया भर के इंटरनेट ट्रैफिक पर प्रभाव बहुत कम पड़ेगा।

हालांकि पहले ही कई तकनीकी जानकार कह चुके हैं कि समुद्र की गहराई में मौजूद इन केबल्स को काटना आसान नहीं है। ऐसा कदम ईरान के लिए भी आर्थिक और रणनीतिक नुकसान का कारण बन सकता है।

फ्रांस में इवेंट मैनेजर्स डे की गूंज, भारत बना गेस्ट ऑफ ऑनर

एजेंसी

जयपुर। इंटरनेशनल इवेंट मैनेजर्स डे को इस बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। फ्रांस के प्रसिद्ध टूर सिटी में आयोजित ‘फॉयरे डे टूर्स फेयर’ में करीब 20 वर्षों बाद भारत को ‘गेस्ट ऑफ ऑनर’ चुना गया है। यह आयोजन भारतीय कला, संस्कृति और इवेंट इंडस्ट्री के लिए गर्व का विषय बन गया है। इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर अरशद हुसैन ने बताया कि इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मेले में इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर रईस भारती अपने प्रसिद्ध धोद बैंड के साथ राजस्थानी लोक संस्कृति, पारंपरिक संगीत और भारतीय कला की शानदार प्रस्तुतियां दे रहे हैं। इस फेयर में लगभग 4 लाख लोग पूरी दुनिया से पार्टिसिपेट कर रहे हैं, जहां भारत की सांस्कृतिक झलक विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि भारतीय इवेंट इंडस्ट्री और कलाकारों की वैश्विक पहचान को मजबूत करने का भी अवसर है।

राजस्थान की लोक धुनों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से भारतीय संस्कृति का संदेश दुनिया तक पहुंच रहा है। उन्होंने भारत सहित दुनिया भर के इवेंट मैनेजर्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इवेंट इंडस्ट्री लोगों को जोड़ने, नई रचनात्मकता को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती है। इवेंट्स केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में एकता, भाईचारे और सकारात्मक सोच को बढ़ाने का सशक्त जरिया भी हैं। गौरतलब है कि हर वर्ष 31 मई को इंटरनेशनल इवेंट मैनेजर्स डे मनाया जाता है। इस वर्ष इसकी थीम ‘ग्लोबल पीस थ्रू इवेंट’ रखी गई है। यह दिन उन सभी इवेंट प्रोफेशनल्स को समर्पित है जो अपनी मेहनत, कला और नवाचार से लोगों के जीवन में उत्साह, खुशियां और सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं।

अमेरिका द्वारा रोके गए जहाज के 20 ईरानी नाविक स्वदेश लौटे, कूटनीतिक प्रयासों से मिली राहत

एजेंसी

तेहरान। अमेरिका के कब्जे में रहे जहाज के 20 ईरानी नाविक तेहरान लौटे। ये सभी इस्लामाबाद के रास्ते अपने देश लौट पाए। ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, ये कई देशों से किए गए कूटनीतिक संवाद के बाद मुमकिन हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने पाकिस्तान और सिंगापुर समकक्षों से इस मुद्दे पर लगातार बातचीत जारी रखी। वो सफल रहे और नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित हो पाई। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया कि यह रिहाई ईरान, पाकिस्तान और सिंगापुर के विदेश मंत्रियों के बीच ‘गहन परामर्श’ के बाद संभव हुई। यह मामला उस जहाज से जुड़ा है जिसे अमेरिका ने पहले रोककर अपने नियंत्रण में लिया था। बाद में क्षेत्रीय देशों की मध्यस्थता के जरिए नाविकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी की गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी कार्रवाई के बाद क्रू मेंबर सिंगापुर के आसपास समुद्री क्षेत्र में फंसे हुए थे।

जहाज पर 11 पाकिस्तानी और 20 ईरानी नागरिक मौजूद थे।

कूटनीतिक बातचीत के बाद ईरान, पाकिस्तान और सिंगापुर के विदेश मंत्रालयों के बीच समन्वय हुआ, जिसके जरिए सभी नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की गई। इन नाविकों को पहले सिंगापुर से बैंकॉक (थाईलैंड) ले जाया गया, फिर वहां से इस्लामाबाद (पाकिस्तान) पहुंचाया गया। इसके बाद ईरानी नाविकों को तेहरान भेज दिया गया। दरअसल, अमेरिकी बलों ने 19 अप्रैल को एक छोटे कंटेनर जहाज को रोककर जब्त कर लिया था। यह जहाज ईरान के आईआरआईएसएल (इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइन्स) समूह का हिस्सा था, जिस पर पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं। यह कार्रवाई ओमान की खाड़ी में ईरान के चाबहार बंदरगाह के पास की गई थी।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा था कि जहाज के चालक दल ने लगभग 6 घंटे तक दी गई कई चेतावनियों का पालन नहीं किया, जिसके बाद अमेरिकी बलों ने जहाज पर कार्रवाई की।

सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बलों ने कई बार चेतावनी दी और ईरानी ध्वज वाले इस जहाज को बताया गया था कि यह अमेरिकी ‘नाकाबंदी’ के नियमों का उल्लंघन कर रहा है।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप गहराया, सात और बच्चों की मौत; मृतकों की संख्या 488 पहुंची

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में खसरे (मीजल्स) का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। सुबह 8 बजे तक बीते 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों के कारण सात और बच्चों की मौत हो गई, जिसके बाद 15 मार्च से अब तक मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 488 हो गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने बताया कि हालिया मौतों में चार बच्चों की मौत को खसरे से संदिग्ध माना गया है, जबकि तीन मामलों की प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई है। ताजा मौतों में सबसे अधिक मामले चिटगांव से सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 15 मार्च से अब तक देश में 405 संदिग्ध और 83 पुष्ट खसरा मौतें दर्ज की गई हैं। इसी अवधि में 1,423 नए संदिग्ध मामलों के सामने आने के बाद कुल संदिग्ध संक्रमितों की संख्या बढ़कर 59,279 हो गई है। वहीं, 208 नए पुष्ट मामलों के साथ कुल पुष्टि किए गए संक्रमणों की संख्या 8,275 तक पहुंच गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 15 मार्च से अब तक 46,407 संदिग्ध मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि 42,336 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं।इस बीच, यूनिसेफ ने दावा किया है कि उसने पहले की अंतरिम सरकार, जिसका नेतृत्व मोहम्मद यूनुस कर रहे थे, को वैक्सीन की कमी को लेकर कई बार चेतावनी दी थी। ढाका में आयोजित एक प्रेस वार्ता में यूनिसेफ की बांग्लादेश प्रतिनिधि राना फ्लावर्स ने कहा कि एजेंसी ने स्वास्थ्य मंत्रालय को पांच से छह पत्र भेजे थे और अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान इस मुद्दे पर 10 बैठकों में चिंता जताई थी। उन्होंने कहा, ‘2024 से ही हम सरकार को चेतावनी दे रहे थे कि वैक्सीन की कमी बड़े स्वास्थ्य संकट का कारण बन सकती है।

पाकिस्तान: खदान हादसों में दो मजदूरों की मौत, सुरक्षा इंतजामों पर सवाल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला जिले में दो अलग-अलग कोयला खदान हादसों में दो खनिकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। स्थानीय मीडिया आउटलेट द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, पहला हादसा अकोरवाल कोयला खदान की माइन नंबर 5 में हुआ, जहां काम के दौरान मलबा गिरने से दो मजदूर फंस गए। लगभग ढाई घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उन्हें बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक एक की मौत हो चुकी थी, जबकि दूसरा घायल हो गया था। घायल और मृतक दोनों ही शांगला जिले के निवासी बताए गए।

दूसरी घटना चपरमश्ती क्षेत्र की एक कोयला खदान में हुई, जहां काम के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई। शव को उसके गांव ले जाया गया जहां परिजनों ने उसे सुपुर्द-ए-खाक किया।

स्थानीय लोगों और श्रमिक संगठनों ने पाकिस्तान की खदानों में सुरक्षा उपायों की कमी पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने सरकार से इस समस्या पर तत्काल ध्यान देने और सभी खदानों में सख्त सुरक्षा नियम लागू करने की मांग उठाई है। इनका कहना है कि आए दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं और यहां काम करने वालों की जिंदगी पर खतरे के बादल मंडराते रहते हैं।

पिछले महीने भी बलूचिस्तान प्रांत के बोलान और दुकी क्षेत्रों में खदान हादसों में पांच मजदूरों की मौत हो गई थी, जबकि एक घायल हुआ था।

दैनिक डॉन के अनुसार, बाद में जांच में पता चला कि बोलान खदान में मीथेन गैस का स्तर बढ़ गया था, और तीन श्रमिकों का दम इसी वजह से घुट गया। वहीं कुछ श्रमिकों ने किसी तरह अपनी जान बचाकर अधिकारियों को इस बारे में सूचित किया।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कई हादसे खदानों में मीथेन गैस के जमाव और ऑक्सीजन की कमी के कारण दम घुटने से होते हैं। इसके अलावा कुछ मामलों में खनन ट्रॉली से टकराने जैसी दुर्घटनाएं भी सामने आई हैं।

लगातार हो रहे इन हादसों ने खनन क्षेत्रों में श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पाकिस्तान में 14 साल की ईसाई लड़की का किडनैप, इस्लाम कबूल कराके 41 साल के मुस्लिम से निकाह कराया

एजेंसी

इस्लामाबाद। एक रिपोर्ट में पता चला है कि लाहौर में एक 41 साल के शादीशुदा मुस्लिम आदमी ने मिर्गी और मानसिक स्वास्थ्य की दिक्कतों से जूझ रही 14 साल की एक ईसाई लड़की को किडनैप किया, जबरदस्ती उसका इस्लाम में धर्म बदलवाया और उसकी स्वास्थ्य का फायदा उठाते हुए उससे निकाह कर लिया। क्रिश्चियन डेली इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, लाहौर की गुलबहार कॉलोनी में दिहाड़ी मजदूर और लोकल ब्रेथ्रेन चर्च के सदस्य अब्बास मसीह ने बताया कि उनकी बेटी निशा बीबी एक मुस्लिम घर में घरेलू मदद का काम करती थी। वह 12 मई को काम से घर नहीं लौटी। मसीह ने क्रिश्चियन डेली इंटरनेशनल-मॉर्निंग स्टार न्यूज को बताया, ‘जब निशा काम से घर नहीं लौटी, तो हम उसके मालिक के घर गए, जहां हमें बताया गया कि वह पहले ही जा चुकी है। ‘ उन्होंने बताया कि जब वह नहीं मिली तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने कहा कि मालिक के घर से मिले सीसीटीवी फुटेज में निशा को एक अनजान अधेड़ उम्र के आदमी के साथ जाते हुए दिखने के बाद पुलिस ने किडनैपिंग की एफआईआर दर्ज की।

उन्होंने कहा कि परिवार ने सीसीटीवी फुटेज से लिया गया स्क्रीनशॉट उस इलाके के लोगों के साथ साझा करके उस आदमी की पहचान करने की भी कोशिश की। मसीह ने कहा, ‘जहां मेरी बेटी काम करती थी, वहां सामने वाले घर में काम करने वाली एक महिला ने तुरंत उस आदमी को अपने पति अरशद हबीब के रूप में पहचान लिया।’ महिला ने बताया कि हबीब उसी दिन उनके दो नाबालिग बच्चों के साथ बिना बताए गायब हो गया था। क्रिश्चियन डेली इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, मसीह ने कहा कि उनकी बेटी को मिर्गी है और उसे मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कतें हैं और उसकी मानसिक हालत ने उसे आसान टारगेट बना दिया था। उन्होंने आगे कहा, ‘हमें बाद में पता चला कि आरोपी की पहले ही तीन शादियां हो चुकी हैं और उन शादियों से उसके बच्चे भी हैं। ‘ उनके मुताबिक, पुलिस ने बाद में परिवार को डॉक्यूमेंट्स दिखाए, जिसमें दावा किया गया था कि निशा ने 15 फरवरी को इस्लाम धर्म अपना लिया था और तीन दिन बाद हबीब से निकाह कर लिया था। मसीह ने कहा, ‘हम यह देखकर हैरान रह गए कि मेरी बेटी ने अपनी मर्जी से धर्म बदला और आरोपी से निकाह किया।

अमेरिका ने ताइवान को हथियारों की बिक्री रोकी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध के कारण ताइवान को हथियारों की बिक्री रोक दी है। उन्होंने यह जानकारी शीर्ष रिपब्लिकन नेता मिच मैककोनेल के एक सवाल के जवाब में दी। सीनेट की सुनवाई के दौरान, सीनेटर मैककोनेल ने काओ से कहा, हमने ताइवान को अमेरिका से हथियार खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया है। मगर अचानक से बिक्री रोक दी गई है। इस रोक के बारे में आपको ताइवान की तरफ से क्या जानकारी मिल रही है? न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, काओ ने जवाब दिया, मैंने ताइवान के अधिकारियों से बात नहीं की है। हालांकि, हमने उन्हें हथियारों की बिक्री की है। अभी हमने बिक्री इसलिए रोकी है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे पास ‘एपिक फ्यूरी’ के लिए जरूरी गोला-बारूद मौजूद है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के पास काफी मात्रा में गोला-बारूद है।काओ ने कहा, जब ट्रंप प्रशासन को जरूरी लगेगा तब हथियारों की बिक्री फिर से शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा बिक्री कब फिर से शुरू होगी।

यूएन में भारत ने की पाकिस्तान की आलोचना, रमजान में अफगान नागरिकों पर किए हमलों को बताया अमानवीय

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने पाकिस्तान की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह एक तरफ अंतरराष्ट्रीय कानून की बात करता है जबकि दूसरी तरफ अफगानिस्तान में आम नागरिकों को बेरहमी से मारता है। यह हमले इस्लाम के पवित्र महीने रमजान के दौरान किए गए और उन लोगों को निशाना बनाया गया जो शाम की नमाज के बाद मस्जिद से बाहर निकल रहे थे। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी हरीश ने सुरक्षा परिषद में कहा कि? अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने बताया है कि 2026 के पहले तीन महीनों में पाकिस्तान की सेना की ओर से की गई सीमा पार सैन्य कार्रवाई में 750 आम नागरिक मारे गए या घायल हुए। इनमें ज्यादातर घटनाएं हवाई हमलों की वजह से हुईं। चीन की अध्यक्षता में आयोजित ‘सशस्त्र संघर्ष में नागरिकों की सुरक्षा’ विषय पर खुली बहस में हिस्सा लेते हुए हरीश ने पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद के भारत विरोधी बयान का जवाब दिया। पाकिस्तान ने इस दौरान कश्मीर का मुद्दा उठाया था। हरीश ने कहा, ‘दुनिया पाकिस्तान के प्रचार को अच्छी तरह समझती है। उसमें न भरोसा है, न कानून का सम्मान और न ही नैतिकता। ‘ उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि पाकिस्तान, जिसका इतिहास नरसंहार जैसे अपराधों से भरा हुआ है, भारत के पूरी तरह आंतरिक मामलों पर टिप्पणी कर रहा है। यह बेहद पाखंड है कि एक तरफ अंतरराष्ट्रीय कानून की बड़ी-बड़ी बातें की जाएं और दूसरी तरफ अंधेरे में मासूम नागरिकों को

निशाना बनाया जाए। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने यूएनएएमए की दस मई को जारी रिपोर्ट ‘अफगानिस्तान में सीमा पार नागरिक हताहत’ का हवाला देते हुए अफगानिस्तान के एक नशा मुक्ति केंद्र पर हुए हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस साल मार्च में रमजान के पवित्र महीने के दौरान जब लोग शांति, आत्मचिंतन और दया के माहौल में थे, पाकिस्तान ने काबुल के ओमिद एडिक्शन ट्रीटमेंट अस्पताल पर बेहद क्रूर हवाई हमला किया। ‘ उन्होंने बताया, ‘यूएनएएमए के मुताबिक, इस शर्मनाक और अमानवीय हमले में 269 नागरिकों की मौत हुई और 122 लोग घायल हुए। यह एक ऐसा अस्पताल था जिसे किसी भी तरह सैन्य ठिकाना नहीं कहा जा सकता। ‘ यूएनएएमए की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के हवाई हमले उस समय हुए जब तरावीह की नमाज खत्म हुई थी और कई मरीज मस्जिद से बाहर निकल रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सीमा पार हिंसा के कारण 94,000 से ज्यादा लोग अफगानिस्तान में शरणार्थी बनने पर मजबूर हुए। हरीश ने कहा कि पाकिस्तान की ऐसी हिंसक हरकतें कोई नई बात नहीं हैं। यह वही देश है जिसने अपने ही लोगों पर बम गिराए और व्यवस्थित तरीके से नरसंहार किए। उन्होंने 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान हुए अत्याचारों का जिक्र करते हुए कहा कि ऑपरेशन सर्चलाइट के दौरान पाकिस्तान ने अपने ही नागरिकों के खिलाफ संगठित नरसंहार और चार लाख महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार जैसी भयावह घटनाओं को अंजाम दिया था।

page 1 and 8 may 23_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/23/2026 12:19 AM Page 2

स्थानीय समाचार

पीएसपीएस जीसीडब्ल्यू गांधी नगर में एनएमबीए के तहत नशा दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान आयोजित

जम्मू, 22 मई। चल रहे 100 दिवसीय नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) के तहत पद्मश्री पद्मा सचदेव गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन गांधी नगर ने कॉलेज परिसर में नशा और मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान आयोजित किया।

यह कार्यक्रम वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान विभाग की संयुक्त पहल के रूप में आयोजित किया गया, जो प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी प्रो. कुलविंदर कौर के संरक्षण में संपन्न हुआ।

स्लोगन के माध्यम से जागरूकता और शपथ के माध्यम से प्रतिबद्धता विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में स्लोगन लेखन अभियान और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

करीब 100 विद्यार्थियों ने शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि लगभग 20 विद्यार्थियों ने स्लोगन लेखन अभियान में उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए नशा विरोधी जागरूकता संदेशों को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया।

प्रतिभागियों ने प्रभावशाली स्लोगन तैयार किए जिनमें नशे की लत के खिलाफ सशक्त संदेश और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने नशामुक्त परिसर बनाए रखने और नशा मुक्त भारत के लक्ष्य को साकार करने में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

इस पहल का उद्देश्य जागरूकता, परामर्श और सामूहिक जिम्मेदारी के माध्यम से युवाओं की भागीदारी बढ़ाकर नशामुक्त समाज का निर्माण करना था।

कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो संस्था की नशा और मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता फैलाने की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रियासी प्रशासन ने ईद-उल-अजहा तैयारियों की समीक्षा की

रियासी, 22 मई। अतिरिक्त उपायुक्त रियासी राकेश कुमार ने आज जिलेभर में ईद-उल-अजहा त्योहार के शांतिपूर्ण, सुचारु और परेशानी मुक्त आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में पुलिस, स्वास्थ्य, जल शक्ति, जेपीडीसीएल, नगर समितियां, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, ग्रामीण विकास, परिवहन, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के अलावा धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

एडीसी ने त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, निर्बाध बिजली और पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाएं, ट्रैफिक प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता से संबंधित व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा की। रियासी और कटड़ा नगर निकायों के कार्यकारी अधिकारियों को मस्जिदों, ईदगाहों और बाजार क्षेत्रों के आसपास उचित सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जबकि ब्लॉक विकास अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त स्वच्छता और आवश्यक नागरिक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। एडीसी ने लीगल मेट्रोलॉजी विभाग को नियमित बाजार निरीक्षण करने और खाद्य वस्तुओं की कीमतों एवं गुणवत्ता की निगरानी करने के निर्देश दिए ताकि कालाबाजारी रोकी जा सके और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं उपलब्ध हो सकें। स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीमों, एम्बुलेंस और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए गए, जबकि पीडीडी और जल शक्ति विभाग को जिलेभर में निर्बाध बिजली और पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग को भी रणनीतिक स्थानों पर फायर टेंडर तैयार रखने के निर्देश दिए गए।

दूरदराज गांव धड़कई-गंडोह में मुफ्त चिकित्सा शिविर आयोजित

गंडोह, 22 मई। मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) पहल के तहत आज जिला डोडा के मेडिकल ब्लॉक गंडोह के गांव धड़कई में एक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

यह शिविर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तनवीर अहमद राठेर के मार्गदर्शन और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर गंडोह डॉ. फारूक सलीम की निगरानी में आयोजित किया गया। शिविर में स्थानीय लोगों को सामान्य स्वास्थ्य जांच, गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की स्क्रीनिंग, स्वास्थ्य परामर्श और मुफ्त दवाइयों सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा को दिखाई गई हरी झंडी

जयपुर, 22 मई। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर रेल मंडल अंतर्गत जोधपुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राजस्थान को रेल सेवाओं और परियोजनाओं की सौगात दी।

इस अवसर पर गाड़ी संख्या 04871 जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस की डिब्बा संरचना को 8 कोच से बढ़ाकर 20 कोच करने तथा साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस रेलसेवा का जैसलमेर तक विस्तार सहित कोच केयर कॉम्पलेक्स जैसलमेर का शुभारम्भ किया गया।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नियमित गाड़ी संख्या 26481/26482, जोधपुर-दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा में 24 मई से दो एक्जीक्यूटिव चेयरकार, 16 वातानुकूलित चेयरकार एवं 2 ड्राइवर पावर कार सहित कुल 20 कोच रहेंगे। इससे यात्रियों को अधिक सीट उपलब्ध होंगी तथा यात्रा सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के प्रवासियों की लंबे समय से अधिक रेल सेवाओं की मांग रही है, जिसे ध्यान में रखते हुए चेन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों के लिए नई रेल सेवाएं प्रारम्भ की गई हैं। उन्होंने बताया कि जोधपुर में बनने वाला कोचिंग टर्मिनल रेलवे विकास में मील का पत्थर साबित होगा तथा भविष्य में देशभर से नई ट्रेनों के संचालन में सुविधा होगी। भगत की कोठी में वंदे भारत स्लीपर टर्मिनल भी विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अगले 10 महीनों में जोधपुर से हरिद्वार के लिए नई रेलसेवा प्रारम्भ करने की तैयारी चल रही है। राजस्थान में रेलवे विकास के लिए वर्तमान में लगभग 10,000 करोड़ का रिकॉर्ड बजट दिया जा रहा है, जबकि पूर्व में यह राशि मात्र 700-800 करोड़ थी।

केंद्रीय रेल मंत्री ने बताया कि राजस्थान में धांगरा-बांदीकुई, अजमेर-चित्तौड़गढ़, लूनी-भिलड़ी, रेवाड़ी-खाटूवास एवं सवाई माधोपुर-जयपुर रेलखंडों पर डबलिंग कार्य प्रगति पर है। वहीं मारवाड़ जंक्शन-मावली गेज कन्वर्जन, टनल निर्माण एवं नई रेल लाइनों का कार्य भी तीव्र गति से किया जा रहा है। पुष्कर एवं अंबाजी को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने हेतु नई रेल लाइन परियोजनाओं पर भी कार्य जारी है।

बेहतर रेल सुविधाओं के साथ बेहतर भविष्य की ओर

केंद्रीय मंत्रियों द्वारा जैसलमेर में 67 करोड़ की लागत से निर्मित नवनिर्मित कोच केयर कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन भी किया गया।

इस परियोजना से ट्रेनों की मेंटेनेंस क्षमता में वृद्धि होगी, अधिक ट्रेनों का संचालन संभव होगा तथा यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं प्राप्त होंगी।

रेल मंत्री ने जालोर से दिल्ली के लिए पहली सीधी ट्रेन रवाना की, स्टेशन पर हुआ भव्य स्वागत

जालोर, 22 मई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को जालोर रेलवे स्टेशन से दिल्ली जाने वाली नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन जयपुर होते हुए दिल्ली पहुंचेगी। जालोर से पहली बार राजधानी जयपुर और देश की राजधानी दिल्ली के लिए सीधा रेल संपर्क शुरू होने पर लोगों में भारी उत्साह नजर आया।

रेल मंत्री के जालोर स्टेशन पहुंचने पर लोगों ने मोदी और जय श्रीराम के जयकारे लगाए। स्टेशन परिसर में जेसीबी से फूल बरसाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आजादी के बाद से जालोर और पाली को जयपुर एवं दिल्ली से जोड़ने की लंबे समय से मांग की जा रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब यह सौगात क्षेत्र की जनता को दी है।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक ट्रेन नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास, व्यापार और लोगों की सुविधाओं से जुड़ा बड़ा कदम है। रेल मंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए जनता को बधाई दी।

कार्यक्रम में सांसद लुंबाराम चौधरी ने रेल मंत्री का तलवार भेंट कर स्वागत किया। सांसद ने कहा कि जालोर की जनता लंबे समय से जयपुर और दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन की मांग कर रही थी, जो अब पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री का जालोर के प्रति विशेष लगाव है और इसी कारण वे खुद उद्घाटन के लिए यहां पहुंचे। नई रेल सेवा शुरू होने से जालोर से दिल्ली पहुंचने में अब करीब 16 घंटे का समय लगेगा, जबकि भुज से दिल्ली का सफर लगभग 24 घंटे 30 मिनट में पूरा होगा। इससे यात्रियों को तेज और सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा।

उद्घाटन समारोह के लिए जालोर रेलवे स्टेशन और ट्रेन को विशेष रूप से फूलों से सजाया गया। स्टेशन परिसर में टेंट लगाकर लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई थी।

समारोह में जनप्रतिनिधियों, साधु-संतों और स्थानीय लोगों की बड़ी मौजूदगी रही।

स्वर्ण नगरी जैसलमेर पर्यटन एवं सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सोनार किला, पटवों की हवेली, बड़ा बाग एवं थार मरुस्थल देश-विदेश के पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण केंद्र हैं। नई रेल सुविधा से जैसलमेर की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही चिकित्सा एवं शिक्षा के लिए जोधपुर एवं अहमदाबाद जाने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति, विरासत एवं शौर्य की झलक अब रेलवे स्टेशनों पर भी दिखाई देगी। जैसलमेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पूर्ण हो चुका है। जयपुर स्टेशन को पिंक सिटी थीम पर विकसित किया जा रहा है तथा पाली स्टेशन का निर्माण कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि अब रेलवे स्टेशन शहर के पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान में 25 गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें से 12 पूर्ण हो चुके हैं। इन परियोजनाओं से व्यापार, पर्यटन एवं यात्रियों को व्यापक लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में केंद्रीय रेल मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद राजस्थान को 200 से अधिक नई रेल सेवाओं का लाभ मिलेगा तथा राज्य रेलवे विकास के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे विश्वस्तरीय सुविधाओं की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि रेल केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि देश की जीवनरेखा है तथा पिछले 12 वर्षों में भारतीय रेलवे में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है।

जल जीवन मिशन भुगतान संकट- विधायक के आश्वासन पर ठेकेदारों ने 12 दिन पुराना धरना स्थगित किया

आमिर इकबाल खान

जम्मू, 22 मई। जल जीवन मिशन के अंतर्गत लंबित भुगतानों को लेकर जारी 12 दिवसीय शांतिपूर्ण धरने को जम्मू-कश्मीर लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी ठेकेदार समन्वय समिति ने शुक्रवार को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया। यह निर्णय नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक सलमान अली सागर द्वारा सरकार के समक्ष उनकी मांगों को प्राथमिकता से उठाने के आश्वासन के बाद लिया गया।

हालांकि ठेकेदारों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समयसीमा के भीतर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वे पहले से अधिक व्यापक स्तर पर आंदोलन फिर शुरू करेंगे।

जम्मू-कश्मीर में जल जीवन मिशन योजनाओं से जुड़े ठेकेदार पिछले लगभग दो वर्षों से लंबित भुगतानों के कारण गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। ठेकेदारों का आरोप है कि केंद्र सरकार द्वारा मार्च 2028 तक जल जीवन मिशन 2.0 को पर्याप्त वित्तीय सहायता के साथ बढ़ा दिया गया है, लेकिन जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पिछले तीन महीनों से आवश्यक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जिसके चलते धनराशि जारी नहीं हो पा रही है।

अपनी मांगों को लेकर नाराज ठेकेदार श्रीनगर के राजबाग स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय के बाहर धरना दे रहे थे। इस आंदोलन को विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों तथा व्यापारिक संस्थाओं का भी समर्थन प्राप्त हुआ।

मामले में उस समय प्रगति हुई जब नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के निर्देश पर हजरतबल के विधायक सलमान अली सागर के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल धरनास्थल पर पहुंचा।

धरनारत ठेकेदारों को संबोधित करते हुए सलमान अली सागर ने आश्वासन दिया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर न होने तथा इसके कारण धनराशि रुकने के मुद्दे को जम्मू-कश्मीर सरकार के उच्च स्तर पर तत्काल उठाया जाएगा।

बैठक में पारित प्रस्ताव के अनुसार विधायक सलमान अली सागर के नेतृत्व में ठेकेदारों की एक विशेष कार्य समिति सरकार के समक्ष विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत करेगी, ताकि गतिरोध का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

समन्वय समिति के जम्मू प्रांत अध्यक्ष राजेश खन्ना तथा कश्मीर प्रांत अध्यक्ष नजीर अहमद मीर द्वारा जारी संयुक्त बयान में प्रशासनिक देरी के कारण ठेकेदारों और उनके परिवारों पर पड़ रहे गंभीर मानवीय प्रभावों को भी उजागर किया गया।

बख्शी नगर में विश्वकर्मा सभा हॉल के नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ

जम्मू, 22 मई (हि.स.)। विधायक अरविंद गुप्ता ने वार्ड नंबर 28 बख्शी नगर में विश्वकर्मा सभा हॉल के नवीनीकरण एवं विकास कार्य का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि से 10 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की जिससे क्षेत्र में सामुदायिक ढांचे और सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सामुदायिक भवन सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने के साथ-साथ सांस्कृतिक, सामाजिक और जनकल्याण गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का विकास उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है और आने वाले समय में भी विभिन्न विकास कार्य जारी रहेंगे।

उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा सभा हॉल बख्शी नगर में सामुदायिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। इसके नवीनीकरण से रहेंगे लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में भी सुविधा होगी। इस दौरान स्थानीय निवासियों और विश्वकर्मा सभा के सदस्यों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से इस कार्य की मांग की जा रही थी। उन्होंने विश्वास जताया कि हॉल के उन्नयन से क्षेत्र की जनता को काफी लाभ मिलेगा और सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उद्घाटन समारोह में सभा के पदाधिकारी, गणमान्य लोग तथा वार्ड नंबर 28 के बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी मौजूद रहे

डीसी रामबन ने जल शक्ति अभियान- कैच द रेन-2026 एवं जेजेएम की समीक्षा की

रामबन, मई 22। उपायुक्त रामबन मोहम्मद इलियास खान ने आज जल शक्ति अभियान- कैच द रेन) 2026 तथा जल जीवन मिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में एसीडी शेराज अहमद, सीपीओ डॉ. शकीब अहमद राथर, डीएफओ, कार्यकारी अभियंता जल शक्ति, सीएओ, सीएचओ तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन, बोरवेल के पुन- उपयोग एवं रिचार्ज, वाटरशेड विकास तथा व्यापक वनीकरण पर चर्चा की गई। यह सभी कार्य jsa-ctr-2026 की थीम जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी - सशक्त सामुदायिक जुड़ाव की ओर卐 के अनुरूप हैं। उपायुक्त ने पिछली बैठकों में दिए गए निर्देशों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की तथा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में संबंधित विभागों की भूमिका पर जोर दिया। सभी पेयजल स्रोतों और रिचार्ज संरचनाओं की जियो-टैगिंग करने पर बल दिया गया। साथ ही पंचायतों को जल संरक्षण कार्यों हेतु तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। कृषि और बागवानी विभागों को फसल विविधीकरण, माइक्रो इरिगेशन और जल बचाने वाली फसलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कहा गया।

डीसी श्रीनगर, एसएमसी कमिश्नर ने यात्रा ट्रांजिट कैंप पंथा चौक का दौरा किया; वार्षिक तीर्थयात्रा के सुचारु संचालन हेतु तैयारियों का लिया जायजा

श्रीनगर, मई 22। उपायुक्त (डीसी) श्रीनगर अक्षय लाबरू और श्रीनगर म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (एसएमसी) के कमिश्नर फाज लुल हसीब ने शुक्रवार को पंथा चौक स्थित यात्रा ट्रांजिट कैंप का दौरा कर आगामी वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 के सुचारु और निर्बाध संचालन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

इस दौरे का उद्देश्य वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान श्री अमरनाथ जी गुफा की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं और निर्बाध व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना था, जो पंथाचौक स्थित ट्रांजिट कैंप में ठहरेंगे। दौरे के दौरान उपायुक्त के साथ एसएसपी सिक्योरिटी कश्मीर सजाद खालिक, अतिरिक्त उपायुक्त आदिल फरीद, आईएएस प्रोबेशनर अल्फेड थॉमस, एसपी मुख्यालय उमर शाह, डिप्टी कमांडेंट (आईआर) के. साहू, जॉइंट कमिश्नर एसएमसी सैयद अबू कासिम, एसडीपीओ पंथाचौक जोहेब अहमद, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर हाइड्रोलिक इंजी. अंबरीन अंजुम, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर केपीडीसीएल सैयद अहमद वानी,

एसडीएम ईस्ट जुबेर अहमद, डीएसपी ट्रैफिक सुहैल अहमद, तहसीलदार पंथा चौक मुजामिल जमान तथा जिला प्रशासन, पुलिस, एसएमसी, सूचना, फायर एंड इमरजेंसी, स्वास्थ्य, आरटीओ, ट्रैफिक एवं अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दौरे के दौरान डीसी और एसएमसी कमिश्नर ने यात्री सुविधा केंद्र का निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं से संबंधित सेवाओं के प्रबंधन और सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने ट्रांजिट कैंप में केवाईसी/आरएफआईडी पंजीकरण, आवास, स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति, बिजली उपलब्धता, स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं एवं आधारभूत ढांचे की समीक्षा की।